लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

13 अक्टूबर 2026 मंगलवार
वर्ष : 19 अंकः 102
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

The Power of Truth
हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep
www.lokhastakshep.com

लूथरा बंधुओं को बड़ा आदेश : पीड़ितों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक मदद देनी होगी

एजेंसी,पणजी । बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को पिछले साल उत्तरी गोवा स्थित उनके प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग में मारे गए 25 लोगों के परिजनों को अंतरिम मुआवजे के तौर पर 20–20 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति वाल्मीकि मेनेजेस और न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर की खंडपीठ ने उत्तरी गोवा के अरपोरा में दिसंबर 2025 में लगी आग के पीड़ितों को राहत देने से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि यह राशि जमा करने का निर्देश मुख्य मामले में अंतिम दलीलों के अधीन होगा। पीड़ितों के परिजनों की ओर से पेश अधिवक्ता प्राची सावंत ने अदालत को बताया कि उन्होंने प्रत्येक परिवार के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की थी, जबकि नाइटक्लब के मालिकों ने 25 लाख रुपये देने की पेशकश की थी। सावंत ने अदालत से कहा, मैंने उन्हें समझाया था, लेकिन उन्होंने अनुरोध किया कि करीब 50 लाख रुपये दिए जा सकते हैं। पीठ ने सुझाव दिया कि नाइटक्लब के मालिक मुख्य मामले में अपनी दलीलों को प्रभावित किए बिना अंतरिम मुआवजे के तौर पर 20–20 लाख रुपये जमा करें। न्यायाधीशों ने कहा, राशि अदालत में जमा करें। मुख्य मामले में उनकी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने पक्षों से अगली सुनवाई से पहले इस व्यवस्था पर सहमति बनाने को कहा। सावंत ने यह भी बताया कि आग में मारे गए चार पर्यटकों के परिजनों ने हरियाणा के एक उपभोक्ता अदालत में मामला दायर किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुआवजे को लेकर वह अभी तक सभी पीड़ितों के परिजनों से जवाब नहीं ले पाई हैं। अदालत ने इस मामले में नियुक्त न्याय मित्र से घटना के संबंध में लंबित मामलों की विस्तृत सूची तैयार करने को कहा।

पीठ ने पक्षों से प्रस्तावित अंतरिम मुआवजे पर चर्चा करने और 21 अक्टूबर तक उसे इसके नतीजे से अवगत कराने को कहा। इस मामले पर 21 अक्टूबर को फिर सुनवाई होगी। उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव स्थित नाइटक्लब में छह दिसंबर, 2025 को उस समय आग लग गई थी, जब वहां डांस पार्टी चल रही थी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हुए थे। घटना के बाद थाईलैंड भाग गए लूथरा बंधुओं को 17 दिसंबर को वहां से भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नए फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी, चुनाव आयोग के दावे पर स्थिति स्पष्ट

एजेंसी,नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उसने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान नए फॉर्म–6 पर कोई फैसला नहीं दिया था। फॉर्म–6 वह आवेदन प्रपत्र है, जिसके जरिये कोई पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का अनुरोध करता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ एसआईआर से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि निर्वाचन आयोग ने कहा था कि फॉर्म–6 को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी है। इस पर न्यायमूर्ति बागची ने कहा, नए फॉर्म–6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि जब पीठ ने बिहार में एसआईआर से जुड़े मामले की सुनवाई की थी, तब नए फॉर्म–6 का मुद्दा सामने नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने पांच अक्टूबर को एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि उसने विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे फॉर्म–6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। निर्वाचन आयोग ने 26 सितंबर को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की थी, जिसमें संकेत दिया गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर से संबंधित मई 2026 के फैसले में फॉर्म–6 के घोषणा–पत्र को बरकरार रखा था।

जॉन ब्रिटास का दावा, 11 अक्टूबर को मुझ पर हुआ हमला, उस समय प्रतिबंधित क्षेत्र में नहीं था

एजेंसी,नयी दिल्ली । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सांसद जॉन ब्रिटास ने सोमवार को कहा कि 11 अक्टूबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जब पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों ने उनके साथ कथित तौर पर धक्का–मुक्की की, तब वह दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के दायरे में रहकर ही मीडिया से बात कर रहे थे। ब्रिटास को रविवार को कनॉट प्लेस इलाके में पत्रकारों से बात करते समय हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस उस समय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसके बाद उन्हें एक्स–रे और चिकित्सकीय जांच के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया। माकपा सांसद ने बाद में आरोप लगाया कि उन्हें करीब 50 मीटर तक घसीटा गया, पुलिस वाहन के अंदर उन्हें पीटा गया और फिर सड़क किनारे छोड़ दिया गया। विपक्षी नेताओं ने इस घटना की निंदा की। ब्रिटास ने कथित घटना की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। ब्रिटास ने सोमवार को श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, श्मैं दिल्ली पुलिस के किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन किए बिना केवल मीडिया से बात कर रहा था। मैंअवरोधकों से काफी दूर था और मैंने किसी पुलिस अधिकारी से बात तक नहीं की थी।

तड़के गरज-चमक के साथ बरसे बादल, दिल्ली में ठंडक बढ़ी

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली में सोमवार तड़के भारी बारिश और गरज के साथ तूफान के कारण तापमान गिरकर इस महीने के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और इसी के साथ यह दिन पिछले चार साल में अक्टूबर में एक दिन में सबसे अधिक बारिश वाला दिन भी बन गया।

मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं सुबह साढ़े आठ बजे तक के पिछले 24 घंटे में सफदरजंग वेधशाला में 41.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इससे पहले अक्टूबर में इससे अधिक बारिश नौ अक्टूबर 2022 को दर्ज की गई थी, तब सफदरजंग में करीब 74 मिलीमीटर बारिश हुई थी। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग में सोमवार को न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम और इस महीने अब तक का सबसे कम तापमान है। आईएमडी के अनुसार, पालम में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.5 डिग्री कम है। वहीं, लोधी रोड में यह 18.7 डिग्री, रिज में 20 डिग्री और आयानगर में 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश से राजधानी में मौसम ठंडा हो गया, लेकिन कई इलाकों में जलभराव होने से सुबह के समय यातायात भी प्रभावित हुआ। सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटे की अवधि में दिल्ली के पांच मौसम केंद्रों में सबसे अधिक 49 मिलीमीटर बारिश रिज में दर्ज की गई। इसके बाद सफदरजंग में 41.6 मिलीमीटर, लोधी रोड में 41.4 मिलीमीटर, आयानगर में 39 मिलीमीटर और पालम में 31 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दक्षिण दिल्ली के सैनिक फार्म और महिपालपुर के कुछ हिस्सों में जलभराव की खबरें आईं।

नोएडा में करीब एक दर्जन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के नोएडा जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब करीब एक दर्जन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। बतया जा रहा है कि सेक्टर 16 का एपीजे स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) गौतम बुद्ध नगर शामिल हैं।

मामले की जानकारी मौके पर स्थानीय पुलिस को दी गई। अधिकारियों ने मौके पर प्रभावित जगहों पर बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड, पुलिसकर्मी और फायर डिपार्टमेंट की टीमें तैनात कर दी गई हैं। फिलहाल अभी तक इसकी जानकारी नहीं हो गई है कि ये धमकी किसने दी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

18,300 फुट की ऊंचाई पर बर्फ का पहरा कैलाश दर्शन का रास्ता फिलहाल बंद

एजेंसी,पिथौरागढ़ । उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद आदि कैलाश यात्रियों के लिए 18,300 फुट की ऊंचाई पर स्थित पुराने लिपुलेख दर्रे को बंद कर दिया गया है। इसी स्थान से यात्री भारतीय सेना की अनुमति से तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत के दर्शन करते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। धारचूला स्थित आदि कैलाश यात्रा आधार शिविर के प्रभारी और कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) के अधिकारी धन सिंह बिष्ट ने कहा कि अच्छी शारीरिक स्थिति वाले यात्री पहले पुराने लिपुलेख दर्रे पर चढ़कर कैलाश पर्वत के दर्शन कर पाते थे, लेकिन बर्फ जमने के कारण रास्ता बंद हो गया है और वहां फिसलन बढ़ गई है। इस कारण सेना ने अगले आदेश तक दर्रे को बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, आदि कैलाश यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और तीर्थयात्री आदि कैलाश पर्वत के साथ–साथ नाभिढांग के पास स्थित ओम पर्वत के भी दर्शन कर रहे हैं।

बर्खास्त प्रोफेसर अकोइजाम पर यौन उत्पीड़न का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मामला

एजेंसी,नयी दिल्ली । जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर पद से बर्खास्त किए जाने के कुछ दिन बाद कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमल अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकी विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की ओर से 11 अक्टूबर को कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। जेएनयू के सामाजिक विज्ञान संस्थान के अंतर्गत सामाजिक प्रणाली अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर रहे अकोइजाम को यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के बाद नौ अक्टूबर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया था।

उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया है। खबरों के अनुसार, इस साल मई में कम से कम 11 छात्राओं ने प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि वह बैठकों या अन्य आयोजनों के बहाने छात्राओं को परिसर स्थित अपने आवास पर बुलाते थे और उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करते थे। कुछ छात्राओं ने कक्षा मेंअश्लील और अनुचित टिप्पणियां करने का आरोप भी लगाया था। पुलिस ने बताया कि इनर मणिपुर से कांग्रेस सांसद अकोइजाम के खिलाफ जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी रविवार को वसंत कुंज उत्तर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई।

जेएनयू में छात्राओं के यौन उत्पीड़न के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन, शास्त्री प्रतिमा से कांग्रेस कार्यालय तक निकाला विशाल रोष मार्च

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव, । जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (श्रछन) में 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न मामले में दोषी पाए जाने के बाद कांग्रेस के इनर मणिपुर से लोकसभा सांसद प्रो. अंगोमचा बिमोल अकोइजम की हुई बर्खास्तगी और इस घृणित कृत्य पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की संवेदनहीन चुप्पी के खिलाफ आज जनपद उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने हुंकार भरी। 'नारी शक्ति हुंकार आंदोलन' के अंतर्गत जनपद की मातृशक्ति और पार्टी पदाधिकारियों ने सड़कों पर उतरकर कांग्रेस पार्टी के दोहरे चरित्र का पर्दाफाश किया और प्रचंड विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया।

सोमवार (बाबूगंज) स्थित भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विशाल पैदल मार्च का शुभारंभ किया गया। हाथों में पार्टी के झंडे और भारतीय जनता महिला मोर्चा के अधिकृत पोस्टर–तख्तियां थामे महिलाओं का हुजूम बाबूगंज से नारेबाजी करते हुए कांग्रेस जिला मुख्यालय की ओर बढ़ा और कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों सहित महिलाओं ने ष्राहुल गांधी शर्म करोष्, ष्कांग्रेस पार्टी हाय–हायष्, ष्नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानष्, ष्महिला के सम्मान में भाजपा मैदान मेंष् राहुल गांधी होश में आओ, कांग्रेस मुर्दाबाद, खून नहीं हम चिंगारी हैं हम भारत की नारी हैं के नारे लगाये हाथों में मौजूद पोस्टर तख्तियों पर ष्नारी सुरक्षा पर चुप्पी क्यों?ष्, ष्राहुल जी, नारे नहींकृजवाब दीजिए!ष्, ष्महिलाओं को न्याय दो, जवाबदेही तय करो!ष्, ष्महिला सम्मानकृनहीं कोई समझौताष् तथा ष्कांग्रेस बताएकृ महिला सम्मान पर उसका रुख क्या है?ष् जैसे तीखे सवाल और नारे स्पष्ट रूप से अंकित थे।

प्रदर्शन के दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र और महिला विरोधी चेहरा आज पूरे देश के सामने बेनकाब हो चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के समय ष्लड़की हूँ, लड़ सकती हूँष् का लोकलुभावन नारा देने वाले राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा आज अपने ही सांसद द्वारा 11 निर्दोष छात्राओं के यौन उत्पीड़न पर पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। यह देश की समस्त नारी शक्ति का घोर अपमान है।

भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश की सभी संवैधानिक एवं शैक्षणिक संस्थाएं पूरी स्वतंत्रता और नियमों के तहत कार्य कर रही हैं, जहाँ कोई भी सांसद या नेता कानून से ऊपर नहीं है। जेएनयू की वैधानिक जांच समिति ने पॉश एक्ट के तहत निष्पक्ष जांच कर कांग्रेस सांसद को बर्खास्त करते हुए न्याय का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित बेटियों को न्याय दिलाने के बजाय अपने दागी सांसद को राजनीतिक संरक्षण देने का कुत्सित प्रयास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी पीड़ित छात्राओं के सम्मान और स्वाभिमान की इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक पहुँचाएगी।

भाजपा जिला मंत्री एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साधना दीक्षित ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के पवित्र मंदिर में छात्राओं के साथ ऐसा अशोभनीय व्यवहार और उसके बाद देश की सबसे पुरानी पार्टी का संवेदनहीन रुख अक्षम्य अपराध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी की मातृशक्ति किसी भी सूरत में चुप नहीं बैठेगी। जब तक पीड़ित बेटियों को पूर्ण न्याय नहीं मिल जाता और कांग्रेस अपने इस महिला उत्पीड़क सांसद को पार्टी से निष्कासित नहीं करती, तब तक महिला मोर्चा का यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

उपस्थित महिलाओं ने कहा कि राहुल गांधी अब नारों की राजनीति बंद करें और देश की बेटियों को सीधा जवाब दें कि वे अपनी पार्टी के इस शोषक सांसद पर क्या ठोस कार्रवाई कर रहे हैं।

इस विशाल रोष मार्च एवं प्रदर्शन में मुख्य रूप से सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, मनीष जायसवालय जिला उपाध्यक्ष नवीन सिंह जिला उपाध्यक्ष विमला कुरील भाजपा जिला मंत्री एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साधना दीक्षित, वरिष्ठ भाजपा नेत्री चंद्रकांता जोशी, भाजपा जिला मंत्री सविता रावत, डीसीएफ उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला, किशोरी त्रिवेदी, पुनीता दीक्षित, कंचन गुप्ता नेत्री नीलम सिंह, नीतू सेंगर, नगर अध्यक्ष ममता द्विवेदी, सरिता सिंह, शशि मिश्रा, मधु शुक्ला, माला जौहरी, लक्ष्मी, , संध्या बाजपेयी, कल्पना तिवारी, सहित महिला मोर्चा की समस्त पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, संयोजिकाएं, भाजपा कार्यकर्ता एवं भारी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

खैराबाद पुलिस की बड़ी सफलता : 3.5 लाख के 17 गुमशुदा मोबाइल बरामद, स्वामियों को सौंपे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में सीतापुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। थाना खैराबाद पुलिस टीम ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल और सर्विलांस की तकनीकी मदद से विभिन्न कंपनियों के 17 गुम खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद किए गए इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 3.5 लाख आंकी

गई है।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आलोक कुमार और सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी नगर विनय कुमार यादव के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह और उनकी टीम ने इस सराहनीय कार्य को अंजाम दिया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक भारत यादव, क आ नवनीत कुमार, कांस्टेबल अंकित कुमार, ओमजी चौहान और पारस सक्सेना शामिल रहे।

थाना खैराबाद परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सभी 17 मोबाइल स्वामियों को बुलाकर उनके फोन सुपुर्द किए गए। त्योहारों के इस मौसम में अपना खोया हुआ कीमती मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और तकनीकी तत्परता की जमकर सराहना की।बरामद किए गए प्रमुख मॉडलों में वीवो वी 27 प्रो रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स सैमसंग ।52 रियलमी च1 प्रो 5जी और मोटो जी 54 5जी जैसे महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता पर पूरी टीम की पीठ थपथपाई है।

प्रशासन ने विधान परिषद चुनाव की तैयारियां की तेज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन.2026 के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदान संबंधी व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए जिले में 54 मतदेय स्थलों के भवनों को 21 से 25 अक्टूबर तक अधिग्रहित करने का आदेश जारी किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त प्रेक्षकों के साथ संपर्क एवं समन्वय स्थापित करने के लिए दो लाइजन अफसर भी नामित किए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियमए 1951 की धारा 160 के तहत मतदेय स्थलों के लिए निर्धारित भवनों के अधिग्रहण का आदेश जारी किया है। अधिग्रहित किए जाने वाले 54 मतदेय स्थलों में स्नातक निर्वाचन के 34 और शिक्षक निर्वाचन के 20 स्थल शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदित सूची में शामिल भवनों के साथ उनके संपूर्ण परिसरए क्षेत्र और फर्नीचर आदि को भी अधिग्रहण में शामिल किया गया है।

डा. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर सपा जिलाध्यक्ष जय चन्द्र विमल ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। 12 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष जय चन्द्र विमल ने समाजवादी चिंतक एवं प्रखर नेता डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय, समानता और शोषित–वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाजवादी आंदोलन के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि डॉ. लोहिया का सपना एक ऐसे समाज की स्थापना करना था, जहां जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो। समाजवादी पार्टी उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से डॉ. लोहिया के आदर्शों पर चलने और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सुंदरलाल लोधी, वीरेंद्र शुक्ला, सुरेश पाल, मंजीत यादव, साधु यादव, अशोक सिंह चंदेल, नरेंद्र सिंह लोधी, रमन पटेल, जगरूप यादव, राहुल अग्निहोत्री, सभासद मनोज यादव, सभासद सतीश यादव, सभासद सोनू, उमाशंकर, जितेंद्र कुशवाहा, धीरेंद्र यादव, उमा शंकर यादव एवं बच्चू लाल विमल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने डॉ. लोहिया को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

''मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी'' के संकल्प के साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत हैं अंकित सिंह परिहार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के नेता श्री अंकित सिंह परिहार ने अपने परिवार क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और सराहनीय पहल करते हुए अभिनव सिंह, कार्तिकेय पटेल एवं रितेश सिंह की मेडिकल, इंजीनियरिंग, एमबीए आदि उच्च शिक्षा हेतु कुल छ3,10,000 (तीन लाख दस हजार रुपये) की फीस जमा कराई।

श्री अंकित सिंह परिहार पिछले 20 वर्षों से लगातार अपने परिवार क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा, जरूरतमंद परिवारों की सहायता और समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनके लिए जनसेवा केवल किसी विशेष अवसर या चुनाव तक सीमित नहीं, बल्कि अपने परिवारजनों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का निरंतर संकल्प है। शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रयास रहा है कि प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिले और आर्थिक परिस्थितियां उनके सपनों की राह में बाधा न बनें।

इस अवसर पर श्री अंकित सिंह परिहार ने कहा कि "मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी" केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल मंत्र है। परिवार क्षेत्र के बच्चे उनके अपने परिवार के बच्चे हैं। उनकी शिक्षा, सफलता और उज्ज्वल भविष्य उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पिछले 20 वर्षों से परिवार क्षेत्र के लोगों के सुख–दुख में सहभागी बनकर उन्होंने हमेशा यह प्रयास किया है कि जरूरत के समय परिवारजनों के साथ खड़े रहें और बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनके भविष्य निर्माण तक यथासंभव सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी परिवार और समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और अन्य उच्च शिक्षा के माध्यम से बच्चे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं तथा अपने माता–पिता, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन और सहयोग मिलता रहे।

श्री परिहार ने कहा कि उनके लिए 166 भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र केवल एक राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि उनका अपना परिवार है। परिवारजनों का विश्वास, बच्चों की सफलता और क्षेत्र की खुशहाली ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। वह चाहते हैं कि परिवार क्षेत्र का प्रत्येक प्रतिभाशाली बच्चा बेहतर शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

उन्होंने दोहराया कि पिछले 20 वर्षों से जिस सेवा और समर्पण की भावना के साथ वह अपने परिवार क्षेत्र के लोगों के बीच रहे हैं, वह आगे भी निरंतर जारी रहेगी। बच्चों की शिक्षा, जरूरतमंद परिवारों की सहायता और परिवार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनका प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा।

असन्द्रा थाना क्षेत्र में युवक की मौत से इलाके में सनसनी, पुलिस ने शुरू की जांच

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। असन्द्रा थाना क्षेत्र के टिकरिया चांद गांव से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां रोहित यादव पुत्र स्वर्गीय प्रेमचंद ने कथित तौर पर अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में शोक का माहौल बन गया।

जानकारी के मुताबिक, रोहित यादव की शादी 3 साल पहले ही टेड़वा गांव से हुई थी घटना की सूचना मिलने पर असन्द्रा थाना प्रभारी अनिल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल युवक के इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किन परिस्थितियों में रोहित यादव की जान गई? इसका जवाब पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

फिलहाल, इस दुखद घटना ने एक परिवार को गहरे दुख में डाल दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरएमपी कॉलेज में सामूहिक विवाह समारोह के बाद भी नहीं उठा कूड़ा मैदान में पड़े गड्ढे बने परेशानी।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। शहर के आरएमपी कॉलेज में 2 सितंबर 2026 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह संपन्न होने के बाद भी कॉलेज परिसर में कूड़े–कचरे के ढेर पड़े हुए हैं। वहीं मैदान को समतल नहीं कराया गया है और समारोह के दौरान खोदे गए गड्ढे भी अब तक नहीं भरे गए हैं।

कॉलेज के प्राचार्य ने इस समस्या को लेकर जिला समाज कल्याण अधिकारी सीतापुर को पत्र लिखकर कूड़ा–कचरा हटवाने और मैदान को दुरुस्त कराने की मांग की थी। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। बताया जाता है कि समाज कल्याण

अधिकारी ने आश्वासन दिया था कि संबंधित ठेकेदार से मैदान को सही करवा दिया जाएगा, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसे महत्वपूर्ण सरकारी आयोजन के बाद कॉलेज परिसर की साफ–सफाई और मैदान की मरम्मत न होना संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब तक कूड़ा हटवाकर मैदान को समतल कराते हैं और कॉलेज परिसर को पहले की तरह व्यवस्थित कराते हैं।

नवरात्रि पर सिद्धौर में पुलिस का पहरा, सड़कों पर उतरी खाकी

एसपी रवीना त्यागी के निर्देशन में चौकी प्रभारी गौरव सिंह ने संभाली कमान,संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर आमजन से किया संपर्क

लोक हस्तक्षेप संवाद

सिद्धौर, बाराबंकी। नवरात्रि पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाराबंकी पुलिस सतर्क नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी के निर्देशन में सिद्धौर चौकी प्रभारी गौरव सिंह ने पुलिस टीम के साथ सिद्धौर कस्बे और चौकी क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई। साथ ही पुलिस टीम ने आमजन से संपर्क कर क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया।

त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। इसी के मद्देनजर सिद्धौर क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता दिखाई दी। पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र में निगरानी की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान चलाया।

सुरक्षा के साथ जनसंवाद पर भी जोर

पुलिस की इस कार्रवाई में गश्त और चेकिंग के साथ आमजन से संपर्क को भी महत्व दिया गया। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय की अहम भूमिका होती है। ऐसे में पुलिस की क्षेत्र में मौजूदगी का उद्देश्य कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है।

नवरात्रि आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सद्भाव का पर्व है। ऐसे अवसर पर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना प्रशासन और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है। पुलिस ने पैदल गश्त के जरिए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया। वहीं, आमजन से संपर्क स्थापित कर जनसहभागिता के महत्व को भी रेखांकित किया।

त्योहारों के दौरान नागरिकों से भी अपेक्षा की जाती है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को दें। आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव के साथ पर्व मनाना ही इसकी वास्तविक भावना है। बाराबंकी पुलिस के निर्देशन में सिद्धौर क्षेत्र में की गई पैदल गश्त और चेकिंग को नवरात्रि के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सतर्कता कदम के रूप में देखा जा रहा है।

स्नातक चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने तेज की तैयारियां, सिद्धौर में मतदाता सम्मेलन आयोजित

प्रदेश मंत्री अवधेश रहे मुख्य अतिथि, जिला अध्यक्ष राम सिंह वर्मा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी रहे मौजूद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बाराबंकी। लखनऊ खंड स्नातक चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से जैदपुर विधानसभा क्षेत्र के सम्मानित मतदाताओं का सम्मेलन सिद्धौर मंडल में आयोजित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रमंता रावत के आवास पर आयोजित इस सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और संगठन के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश मंत्री श्री अवधेश श्रीवास्तव शामिल हुए। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा बाराबंकी के जिला अध्यक्ष श्री राम सिंह वर्मा श्भुल्लनश, पूर्व प्रत्याशी श्री अमरीश रावत, जिला महामंत्री एवं स्नातक चुनाव जिला संयोजक श्री विजय आनंद वाजपेयी तथा जिला उपाध्यक्ष एवं स्नातक चुनाव जिला सह–संयोजक श्रीमती रचना श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सम्मेलन में भाजपा जिला महामंत्री श्री बृजेश रावत तथा जिला उपाध्यक्ष एवं जैदपुर विधानसभा संयोजक श्रीमती अंशु वर्मा ने भी सहभागिता की। इसके अलावा सिद्धौर मंडल अध्यक्ष श्री प्रवीण सिंह सिसोदिया, हरख मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरिता वर्मा, जैदपुर मंडल अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश द्विवेदी और मसौली मंडल अध्यक्ष श्री रंजीत वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में श्री बृजभान वर्मा, श्रीमती उर्मिला रावत, श्रीमती सरोज रावत, ब्लॉक प्रमुख श्री रवि रावत समेत अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

लखनऊ खंड स्नातक चुनाव के मद्देनजर आयोजित इस सम्मेलन में पार्टी के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। सम्मेलन का आयोजन स्नातक मतदाताओं के बीच संपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहा।

अखिलेश यादव का बड़ा आरोप,एसआईआर के बाद भी वोटर लिस्ट में डबल-ट्रिपल वोट, बोले- एक व्यक्ति के 10 वोट कैसे बने?

लखनऊ,संवाददाता।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद भी कथित तौर पर डबल और मल्टीपल वोट दर्ज होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पर करोड़ों रुपये और समय खर्च करने के बावजूद मतदाता सूची की खामियां दूर नहीं हो पाई हैं। अखिलेश ने आजमगढ़ सदर और गोरखपुर की मतदाता सूची के कुछ उदाहरण देते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अभी भी कुछ लोगों के दो, तीन और चार वोट दर्ज हैं, जबकि एक व्यक्ति के नाम पर 10 वोट होने का मामला भी सामने आया है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची की जांच करने और कथित गड़बड़ियों पर जवाब देने की मांग की। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अखिलेश यादव ने आजमगढ़ सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का हवाला देते हुए दावा किया कि एसआईआर के बाद भी एक व्यक्ति के नाम पर 10 वोट दर्ज हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुनरीक्षण के बाद भी मतदाता सूची में इस तरह की कथित गड़बड़ियां मौजूद हैं तो एसआईआर की प्रक्रिया का क्या औचित्य है? उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनके दावे गलत हैं, तो वे इसे गलत साबित करें। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा के सदस्य होने पर वोट बन जाता है, जबकि अन्य लोगों के मामले में नागरिकता और मताधिकार से जुड़े सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने गोरखपुर की मतदाता सूची के कुछ नामों का उल्लेख करते हुए कथित दोहरे और एक से अधिक मतदाता पंजीकरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने आदित्य वर्धन श्रीवास्तव के नाम पर दो वोट होने का दावा किया।

उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति गोरखपुर के निवासी हैं, जहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आते हैं। सपा प्रमुख ने प्रवीण कुमार यादव के नाम पर तीन वोट और गौरव मिश्रा के नाम पर दो वोट दर्ज होने का दावा भी किया। इसके अलावा उन्होंने नगमा रब्बानी के नाम पर छह वोट और दीपक पासवान के नाम पर दो वोट होने की बात कही। अखिलेश ने शंभू शंकर शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि गोरखपुर अर्बन विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 135, 143, 145 और 146 पर उनके नाम से चार वोट दर्ज हैं। उन्होंने इन उदाहरणों के आधार पर मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। इन नामों और मतदाता प्रविष्टियों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग से निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, लेकिन मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियां बनी रहना गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया में पक्षपात हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब एसआईआर जैसी बड़ी प्रक्रिया के बाद भी मतदाता सूची दुरुस्त नहीं हो पाई, तो आयोग को जवाब देना चाहिए कि पुनरीक्षण का उद्देश्य क्या था। सपा प्रमुख ने इस मुद्दे पर आंदोलन की जरूरत बताते हुए मतदाता सूची की निष्पक्ष जांच पर जोर दिया।

सियासी नाकामी छिपाने के लिए अराजकता का सहारा क्यों ? योगी का कांग्रेस पर तीखा प्रहार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए उसे अराजकता का पर्याय बताया और कहा कि अगर वह अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए देश में अराजकता फैलाने से बाज नहीं आई तो जनता उसका बचा–खुचा राजनीतिक अस्तित्व भी खत्म कर देगी। मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर लिखा, देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अपनी गलतियों से सबक लेने के बजाय लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर रही है। जनता का विश्वास खो चुकी कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि देश उसे बार–बार क्यों ठुकरा रहा है। उन्होंने कहा, भारत की जनता लोकतांत्रिक दृष्टि से जागरूक है। वह अराजक और अलोकतांत्रिक आचरण को अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं करेगी। आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस ने गैर–जिम्मेदार राजनीतिक आचरण से देश में अराजकता का वातावरण बना दिया है। पहले देश में पहचान का संकट खड़ा किया और फिर अपने भ्रष्ट मंसूबों के कारण जनता का विश्वास खो दिया। इसके बावजूद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का रवैया नहीं बदला। उन्होंने कहा कि जनता से लगातार मिल रही अस्वीकृति के कारणों पर विचार

करने के बजाय कांग्रेस चुनी हुई सरकारों के खिलाफ अस्थिरता उत्पन्न करने में जुटी है। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को अपनी राजनीतिक विफलताओं के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय स्वयं के आचरण पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, पिछले कई दिन से देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस लगातार अव्यवस्था पैदा कर रही है। आम लोगों को परेशानी हो रही है। संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का कुत्सित प्रयास हो रहा है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस का यह आचरण बताता है कि वह राजनीतिक विरोध और अराजकता के बीच का अंतर भी भूल चुकी है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का स्थान है, लेकिन उसके नाम पर जनता को परेशान करना और संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं हो सकता। आदित्यनाथ ने कहा कांग्रेस को देश की जनता की लोकतांत्रिक चेतना को कम करके नहीं आंकना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपना रवैया नहीं बदला और इसी प्रकार अलोकतांत्रिक तरीकों से अस्थिरता पैदा करती रही तो उसके पास राजनीतिक रूप से जो कुछ बचा है, वह भी गंवाना पड़ेगा।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर पीस पार्टी ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ के मलिहाबाद के ग्राम कहला में डॉ. कय्यूम बाग से दिलावरनगर स्टेशन तक जाने वाला मार्ग 20 से 25 वर्षों से बदहाल है। सड़क पर गहरे गड्ढों के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, एक ही दिन में ई–रिक्शा पलटने से कई यात्री घायल हो गए। वहीं, स्कूल जा रहे एक बच्चे के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे टांके लगाने पड़े। सड़क निर्माण की मांग को लेकर पीस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिला सलाहकार ओमकार सिंह ने कहा कि सड़क के नाम पर नारियल फोड़े गए और फीते काटे गए, लेकिन धरातल पर काम नहीं हुआ। उन्होंने इसे जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण का काम जल्द शुरू नहीं हुआ तो किसी भी जनहानि के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। ज्ञापन देने वालों में मोहम्मद नफीस मंसूरी, डॉ. हसीन सिद्दीकी, डॉ. मेराज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

योगी सरकार ने किसानों के लिए मायावती-अखिलेश से दिया तीन गुना ज्यादा बजट : शाही

लखनऊ,संवाददाता। बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से फसल क्षति से प्रभावित प्रदेश के नौ लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत राशि सौंपी। गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों के लिए खजाना खोल दिया है। उन्होंने कहा कि खुद को धरतीपुत्र और किसानपुत्र कहने वाली पिछली सरकारों ने किसानों के लिए अपेक्षित काम नहीं किया, जबकि योगी सरकार ने उनके मुकाबले तीन गुना से अधिक राशि खर्च की है।शाही ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट में 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपए के कर्ज माफ करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष मायावती की सरकार ने किसानों पर 10,207 करोड़ रुपए और अखिलेश यादव सरकार ने करीब 12 हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि योगी सरकार अब तक किसानों पर 69,163 करोड़ खर्च कर चुकी है। योगी सरकार ने किसानों को समय पर बीज, बिजली और पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। पिछले वर्ष प्रदेश में रिकॉर्ड 752 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के समय आपदा राहत के लिए केंद्र सरकार से मिले 3,200 करोड़ रुपए में से केवल 800 करोड़ रुपए वितरित किए गए थे।

भृगु आश्रम का विकास पौराणिक विरासत को सम्मान : जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। योगी सरकार ने बलिया जनपद की आध्यात्मिक और पौराणिक विरासत को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। आस्था के प्रमुख केंद्र महर्षि भृगु आश्रम को अब पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित कर भव्य स्वरूप देने की तैयारी है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के तहत इस परियोजना पर 8.74 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मान्यता है कि बलिया स्थित इसी तपोस्थली पर सप्तऋषियों में प्रमुख स्थान रखने वाले महर्षि भृगु ने तपस्या की थी और यहीं भृगु संहिता की रचना की। महर्षि भृगु आश्रम का कायाकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। मुख्यमंत्री ने बलिया में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर महर्षि भृगु कॉरिडोर विकसित करने की बात कही है। ऐसे में पर्यटन विकास की दिशा में शुरू हुई यह पहल उस संकल्प को धरातल पर उतारने की ओर बढ़ता कदम मानी जा रही है। प्रदेश सरकार की योजना है कि आस्था और आध्यात्म केंद्रों के साथ पौराणिक एवं

संक्षिप्त समाचार

गौवंश और वानरों को कराया भोजन

लखनऊ,संवाददाता। फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बेजुबान जानवरों की सहायता के लिए श्री राम जानकी परिवार के प्रदेश मंत्री एवं समाजसेवी रवि गांधी के नेतृत्व में विशेष सेवा अभियान चलाया गया। अभियान के तहत टीम रवि गांधी ने गौवंश, वानरों और अन्य बेसहारा पशुओं को भोजन उपलब्ध कराया। साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों को पानी की बोतलें, भोजन के पैकेट, पूरी–सब्जी और वेज बिरयानी सहित अन्य राहत सामग्री वितरित की गई। अभियान के दौरान पशुओं के लिए चूनी, चोकर, पपीता, तरबूज, केला, गुड़, आलू, पूरी सहित विभिन्न खाद्य सामग्री की व्यवस्था की गई। बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्र में पशुओं के सामने भोजन और पानी की समस्या को देखते हुए टीम ने उनकी जरूरतों के अनुसार सहायता पहुंचाई। श्री राम जानकी परिवार के प्रदेश मंत्री रवि गांधी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए अनेक लोग और संस्थाएं आगे आ रही हैं, लेकिन बेजुबान जानवर अपनी पीड़ा किसी से कह नहीं सकते।

कभी नारी सुरक्षा के सवालों से घिरा यूपी अब बना सामर्थ्य की नई पहचान : योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की द्वितीया पर मां ब्रह्मचारिणी के स्वरूप की पूजा की। उन्होंने प्रदेशवासियों से इसके महत्व पर चर्चा की। मां ब्रह्मचारिणी के तप और संकल्प से सिद्धि का मंत्र हमें सिखाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी सिद्ध किए जा सकते हैं।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर 2017 से पहले और इसके बाद के उत्तर प्रदेश की तुलना की। कहा कि वर्ष 2017 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर सवालों से घिरा रहने वाला उत्तर प्रदेश आज नारी सुरक्षा और सामर्थ्य की नई पहचान बना है। विगत 9.5 वर्षों में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति, तकनीक आधारित निगरानी, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जन–जागरूकता अभियानों ने प्रदेश में महिलाओं के लिए भयमुक्त वातावरण के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई है।मिशन शक्ति के पांच चरणों, सेफ सिटी परियोजना, मिशन शक्ति केंद्रों और महिला बीट पुलिसिंग जैसी पहलों ने महिला सुरक्षा तंत्र को व्यापक और सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

योगी सरकार 60 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाएगी

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ग्राम प्रहरियों को बड़ी सौगात देने वाले है।13 अक्टूबर को बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित कर एक हजार रुपये मानदेय बढ़ाने की घोषणा करेंगे।2500 से बढ़कर 3500 रुपये मासिक मानदेय होगा। एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।गृह विभाग से जुड़े ग्राम प्रहरियों के मानदेय में वृद्धि से सरकार पर सालाना करीब 84 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आयेगा। रसोइयों, आंगनबाड़ी कर्मियों और पंचायत सहायकों के बाद अब ग्राम प्रहरियों की बारी, सामाजिक पेंशन भी बढ़ाने की तैयारी है। सवा करोड़ से अधिक लोगों की पेंशन भी बढ़ाने की तैयारीहै। योगी सरकार वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

कार्यक्रमों पर 28 लाख 8 हजार रूपये की धनराशि व्यय की जायेगी : जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए शक्ति आराधना के अंतर्गत 17, 18 एवं 19 अक्टूबर सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शक्ति आराधना प्रदेश के 26 चयनित शक्तिपीठों, देवी मंदिरों पर देवीगीतों की परम्परा पर आधारित देवीगीत गायन एवं दुर्गा सप्तसती का पाठ किया जायेगा। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन का संदेश देना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कलाकारों के मानदेय, यात्रा व्यय, वालंटियर पर व्यय तथा कार्यक्रम की प्रस्तुति संबंधी अन्य व्यवस्थाओं पर 28 लाख 08 हजार रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

जनता की पीड़ा का निवारण और हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार का संकल्प : केशव

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान, पीड़ितों को न्याय और पात्र लाभार्थियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ सरकार प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही से कार्य कर रही है।अपने कैंप कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान श्री मौर्य ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं ।

ब्रजेश पाठक के आवास पर एएनएम का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को एएनएम महिला कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के आवास के बाहर धरना–प्रदर्शन किया। संविदा पर कार्यरत एएनएम कर्मचारियों ने समान काम के लिए समान वेतन और स्थायी नौकरी की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि वे वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रही हैं, लेकिन उन्हें महज 10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहीं कर्मचारियों ने कहा कि 22 दिनों से प्रदर्शन के बावजूद उनकी समस्याओं पर सुनवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन में शामिल एक एएनएम ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि जब इको गार्डन में उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो उन्हें मजबूर होकर स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर पहुंचना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी दो प्रमुख मांगें हैं–समान काम के लिए समान वेतन और स्थायी नौकरी। एएनएम कर्मचारी ने सवाल उठाया कि बढ़ती महंगाई के दौर में 10 हजार रुपये महीने में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल है। उनका कहना है कि वे नियमित कर्मचारियों की तरह ही काम करती हैं, इसलिए उन्हें भी उनके बराबर वेतन मिलना चाहिए। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों के मुताबिक, प्रदेश के सभी 75 जिलों से एएनएम लखनऊ पहुंची हैं।

इनमें ऐसी महिलाएं भी शामिल हैं, जो पिछले 15 से 20 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में काम कर रही हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थायी नियुक्ति नहीं मिली है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय तक सेवाएं देने के बावजूद संविदा पर काम करना और कम वेतन मिलना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से नियमितीकरण की मांग पर जल्द निर्णय लेने की अपील की। एएनएम कर्मचारी मंजिला ने कहा कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री तक उनकी समस्याएं नहीं पहुंच रही हैं। मंजिला के मुताबिक, एएनएम को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ माना जाता है, लेकिन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 22 दिनों से कर्मचारी आंदोलन कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई मंत्री उनसे मिलने नहीं पहुंचा। इसी वजह से अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए उन्हें स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव करना पड़ा।

नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा, मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

लखनऊ,संवाददाता। नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को गोमती नगर के विशालखंड स्थित शिव भोला मंदिर में मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा–अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। गोमती नगर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे। उन्होंने मां भगवती की आराधना कर सुख–समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में पूजा–पाठ के साथ धार्मिक माहौल बना रहा। इस दौरान महिला श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। भक्तों ने विधि–विधान से पूजा की और परिवार की सुख–शांति के लिए प्रार्थना की। नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां का यह स्वरूप तप, त्याग, संयम और साधना का प्रतीक है। भक्त मां की आराधना कर धैर्य, शक्ति और आत्मविश्वास की कामना करते हैं।

नवरात्र के दौरान मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। शिव भोला मंदिर के पुजारी महंत गोपालदास ने बताया कि नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का विशेष महत्व है। दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की आराधना की जाती है। भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ मां की पूजा करते हैं। इससे मन को

शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। विराजखंड से दर्शन करने पहुंचीं सुनीता सिंह ने बताया कि नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा करने से मन को शांति मिलती है। उन्होंने मां भगवती से परिवार की सुख–समृद्धि और सभी के स्वस्थ रहने की कामना की। वहीं, श्रद्धालु संजय ने कहा कि नवरात्र आस्था और भक्ति का पर्व है। इन दिनों मंदिर में दर्शन और पूजा करने से आध्यात्मिक शांति मिलती है।

अरबपति सपा सांसद धनराज नथवानी चार्टर्ड प्लेन से सर्टिफिकेट लेने आए

लखनऊ,संवाददाता। सपा के अरबपति राज्यसभा सांसद धनराज नथवानी सोमवार को चार्टर्ड प्लेन से लखनऊ आए। एयरपोर्ट से सीधे विधान भवन पहुंचे और रिटर्निंग अफसर से राज्यसभा चुनाव में अपनी जीत का सर्टिफिकेट लिया। इस दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव नजर नहीं आए। दरअसल, अखिलेश का अचानक दिल्ली रवाना होने का प्लान बन गया था। वहां उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के मार्च में शामिल होना था। इसलिए यूपी विधानसभा में नथवानी के साथ नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष जासिम अंसारी मौजूद रहे। सर्टिफिकेट लेने के बाद नथवानी अखिलेश के आवास पर पहुंचे। उनसे मुलाकात की। इससे पहले, नथवानी के निजी चार्टर्ड प्लेन को सुबह 8.45 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर उतरना था, लेकिन वह सुबह 11.10 बजे लैंड हुआ। नथवानी

करीब 3 घंटे लखनऊ में रुके और दोपहर 2.10 बजे वापस अहमदाबाद रवाना हो गए। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर सभी उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। इनमें भाजपा के 8 और सपा के 2 प्रत्याशी शामिल हैं।

9 अक्टूबर को भाजपा के सभी 8 नवनिर्वाचित सांसदों ने अपनी जीत का सर्टिफिकेट ले लिया था। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने अपना प्रतिनिधि भेजकर सर्टिफिकेट ले लिया था, जबकि धनराज नथवानी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया था कि वे नवरात्रि के दौरान 12 अक्टूबर को अपना सर्टिफिकेट लेंगे। सर्टिफिकेट लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में धनराज नथवानी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा– अखिलेश का विजन यूपी के विकास को लेकर बहुत स्पष्ट रहा है।

मलिहाबाद में वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया

लखनऊ,संवाददाता। मलिहाबाद तहसील में अधिवक्ताओं की समस्याओं और उपजिलाधिकारी कार्यालय में कथित अनियमितताओं को लेकर मलिहाबाद बार एसोसिएशन ने कड़ा रुख अपनाया है। 12 अक्टूबर को बार एसोसिएशन की तरफ से एक लेटर जारी किया गया। जिसमें एसोसिएशन के सभी सदस्य 12 और 13 अक्टूबर तक न्यायालय में न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। बार एसोसिएशन की ओर से जारी सूचना प्रस्ताव के अनुसार, अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि उपजिलाधिकारी मलिहाबाद के तीनों न्यायालयों में कार्यशैली में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस संबंध में पहले भी अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। प्रस्ताव में उपजिलाधिकारी के व्यक्तिगत सहायक देवेंद्र कुमार पर धारा 98 आदि के प्रकरणों में एसडीएम के नाम पर कथित अवैध वसूली करने का आरोप लगाया गया है।

वहीं, क्षितिज श्रीवास्तव पर एसडीएम कोर्ट और तहसीलदार न्यायालय में लंबित वादों में निर्णय कराने के नाम पर कथित रूप से मोटी रकम वसूलने की शिकायतें मिलने की बात कही गई है। ये आरोप बार एसोसिएशन की ओर से लगाए गए हैं। सूचना प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि पूर्व में शिकायतों से अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। वही इस संबंध में उपजिलाधिकारी मलिहाबाद अपराजिता आर्यन ने बताया कि वकीलों दो गुटों में गुटबाजी हो रही है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर शी स्पीक्स ने मार्च निकाला

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर शी स्पीक्स लखनऊ ने मार्च निकाला। लखनऊ विश्वविद्यालय से परिवर्तन चौक तक निकाले गए इस मार्च में आरजी कर समेत देश में महिलाओं के खिलाफ हुई घटनाओं का मुद्दा उठाया गया। मार्च में शामिल लॉ की छात्रा संविधा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह मार्च ऐसी घटनाओं की पीड़ित महिलाओं के समर्थन और उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए निकाला गया। संविधा ने कहा कि आरजी कर की घटना के बाद महिलाओं का बड़ा आंदोलन शुरू हुआ था। इस घटना को करीब दो साल होने वाले हैं, लेकिन उनके मुताबिक महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने

वनस्थली, जम्मू और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में सामने आए मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि मार्च के जरिए इन घटनाओं से प्रभावित महिलाओं के साथ एकजुटता दिखाई जा रही है।

मार्च के दौरान पुलिस बल की तैनाती और अनुमति को लेकर पूछे गए सवाल पर संविधा ने कहा कि उन्हें पुलिस अधिकारियों और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फोन आए थे। उनके मुताबिक, उनसे मार्च रद्द करने या आगे के लिए टालने को कहा गया, क्योंकि उनके पास अनुमति नहीं थी। संविधा ने आरोप लगाया कि मार्च को लेकर उन पर दबाव बनाया गया। संविधा ने कहा कि जब एनएसयूआई, एससीएस और एबीवीपी के छात्र परिसर में गतिविधियां करते हैं, तो उनसे अनुमति को लेकर इस तरह सवाल नहीं पूछे जाते।

सनातन रक्षा संगठन का अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के हजरतगंज चौराहे पर सोमवार को सनातन रक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन किया। संगठन के नेता अनुरोध राय के

नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। उन्होंने अखिलेश यादव पर उत्तर प्रदेश की छवि खराब करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर लेकर पहुंचे और उनके खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'एक कचौड़ी, दो समोसा, टोटी चोर पर नहीं भरोसा' जैसे नारे लगाए। पोस्टरों पर लिखा था, 'यूपी के लोगों को बदनाम किया, अखिलेश ने अपने ही प्रदेश का अपमान किया।' प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने राजनीतिक बयानबाजी के जरिए उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। सनातन रक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने अखिलेश यादव को राजनीतिक पहचान दी है, लेकिन उनके बयानों से प्रदेश की छवि पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान 'जिस यूपी ने पहचान दी, उसी की इज्जत अखिलेश ने उछाल दी' और 'सियासत के लिए यूपी की बदनामी, मौलाना अखिलेश ये तेरी कैसी मनमानी?' जैसे नारे भी लगाए गए।

संपादकीय

भू–राजनीतिक दबाव

उचित ही इसे असहज करने वाली रवायत का हिस्सा बताया गया है, जिसमें भारत विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू–राजनीतिक दबाव में हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को अपने यहां से जाने देता है। म्यांमार से मणिपुर में घुस कर उग्रवादियों ने चार नगा नागरिकों की हत्या कर दी। इस घटना से मणिपुर में जारी हिंसा के साथ सीमा पार का पहलू जुड़े होने की फिर पुष्टि हुई है। ये वारदात उस समय हुई, जब अमेरिकी एजेंट मैथ्यू वॉनडाइक और छह यूक्रेनी ड्रोन विशेषज्ञों को भारत से बाहर जाने देने की इजाजत मिल गई है। इन सभी को इस वर्ष मार्च में संदिग्ध स्थितियों में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि ये सभी मणिपुर के रास्ते म्यांमार गए। इस मामले को भारत म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों और विदेशी हस्तक्षेप की शिकायत से जोड़ कर देखा गया। वॉनडाइक अमेरिकी भाड़े का सैनिक है, जो सन्स ऑफ लिबर्टी इंटरनेशनल नामक विवादास्पद संस्था से जुड़ा है। लीबिया, सीरिया, इराक, और अफगानिस्तान जैसे युद्ध क्षेत्रों में उसकी भूमिका विवादास्पद रही है। भारत में भी पहले उस पर आतंकवाद से जुड़ी धारा लगाई गई, लेकिन चार्जशीट पेश करते वक्त यूएपीए हटा दिया गया। विपक्ष एवं कई सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। उनका इल्जाम है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के हस्तक्षेप के कारण भारत सरकार ने इन लोगों पर नरमी बरती। बीते मई मे भारत यात्रा के समय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ये मामला उठाया था। विश्लेषकों ने उचित ही इस कांड को उस लंबी और असहज करने वाली रवायत का हिस्सा माना है, जिसमें भारत अपने सख्त कानूनों का हवाला तो देता है, और विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू–राजनीतिक दबाव पड़ते ही हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को दंडित करने से पीछे हट जाता है। खुद भारतीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक वॉनडाइक का गुट बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो तस्करी कर ड्रोन्स भारत लाता था और फिर उन्हें म्यांमार भेजता था। इसके पहले भोपाल गैस लीक कांड में यूनियन कारबाइड के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन, पुरुलिया में हथियार गिराने के आरोपियों, और केरल में भारतीय मछुआरों के हत्यारे इटली के दो नौसैनिकों के प्रति भी ऐसी नरमी बरती गई थी। ये तमाम घटनाएं भारतीय राज्य के सॉफ्ट (कमजोर) बने रहने की दुर्भाग्यपूर्ण मिसाल हैं।

संशोधित ईपीएफ सीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए

वी. अनंत नागेश्वरन् और सुश्रुति सिंह

विश्वकर्मा जयंती पर, कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पूछ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं।

25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा–लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैंरू सेवानिवृत्तिध आपातकालीन निधिय नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता हैय और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतरू उचित यही है कि सामाजिक सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन–यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है। पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर कवरेज समाप्त नहीं होती थी, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था। कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी इसके बजाय स्वैच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। इस तर्क में समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वैच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है, जिससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय सौदेबाजी का विषय बन जाता है। बढ़ी हुई वेतन सीमा के साथ, यह कवरेज सौदेबाजी का विषय न रहकर अधिकार बन जाएगी। बढ़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है। मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वरूप के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे श्हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंगच्य कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और योजना बनाना अक्सर अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। आय के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता हैकृजो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे–धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता हैकृवह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए। हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिक संख्या में कर्मचारियों को वैधानिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या वार्षिक 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में, यह अतिरिक्त पेरोल लागत के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा, ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा, जो राशि में भले ही छोटा है, लेकिन अब इसकी गणना भी अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। नियुक्ति संबंधी निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए एक वास्तविक लागत है। अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है और रोजगार बाजार इससे कहीं अधिक जटिल है। अधिक ईपीएफ कवरेज भर्ती के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में काम करता है, जिससे अधिक कुशल और अधिक कार्य–क्षमता वाले कामगार आकर्षित होते हैं, क्योंकि नए कर्मचारी किसी नौकरी का मूल्यांकन करते समय केवल मासिक वेतन को ही ध्यान में नहीं रखते। यह कवरेज कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है। पेंशन और बीमा लाभ वाला कामगार संभवतरू अधिक समय तक काम पर बना रहेगा और नौकरी की शुरुआत थोड़ी अधिक सुरक्षा के साथ करेगा। दूरदर्शी नियोक्ता पहले से ही इसे समझते हैं और अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए स्वैच्छिक कवरेज प्रदान करते हैं। सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा यह है कि यह ट्रैम्पोलीन की तरह न केवल आपको संभालती है, बल्कि फिर से उछलकर आगे बढ़ने में भी सक्षम बनाती है। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य कामगारों को ऐसा कोष उपलब्ध कराना है, जिससे वे आपातकाल के समय या सेवानिवृत्ति के बाद आवश्यकता पड़ने पर धन प्राप्त कर सकें, जिससे कोई अस्थायी संकट जीवनभर की कठिनाई का रूप न ले और उन्हें ऋण–जाल में न फंसाए। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी पहलें, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाया है, इस सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाती हैं। बदलते रोजगार स्व रूप हेतु तैयारी करने के लिए मजबूत उद्योग संपर्कों के साथ, कौशल उन्नयन, पुनरूकौशल विकास और नव कौशल विकास के लिए कौशल विकास पारितंत्र का निर्माण किया जा रहा है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) अंशदायी पेंशन कवरेज को उन लोगों के लिए कम आय वर्ग तक और आगे बढ़ाती है, जो निवेश जोखिम उठाने और आर्थिक तथा बाजार वृद्धि के लाभों में भागीदारी के इच्छुक हैं। यह ट्रैम्पोलीन भी कदम दर कदम मजबूत होता जा रहा है।

(वी. अनंत नागेश्वरन् भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं और श्रुति भारतीय आर्थिक सेवा की एक अधिकारी हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

एलन मस्क प्रकरण, विदेशी मुख के शंख न बनें राहुल गांधी

राकेश सैन

अपने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है।

शंख का यह दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उसे मजबूत खोल तो दिया है पर कोमल मस्तिष्क नहीं, तो बेचारा पराई फूक से बजने को मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की हावर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने वाला शंख बनने से गुरेज करना चाहिए।

जैसा कि सभी जानते हैं कि, सूचना प्रौद्योगिकी जिस तेजी से विकसित हो रही है उसी तेजी से इसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। यह तकनीक जहां बड़ी आबादी को लाभ पहुंचा रही है, वहीं इसे नियंत्रित करने वाली चंद कंपनियों को बेशुमार ताकत भी सौंप रही है। इतनी कि ये कंपनियां राजनीतिक शक्तियों को भी बौना समझने लगी हैं। जहां बात नहीं बनती, वहां वे राष्ट्रीय नेतृत्व की साख बिगाडने में लग जाती हैं। कुछ देशों में सरकारें बनाने–गिराने के खेल में सक्रिय रहकर स्वार्थ साधना तो उनका पुराना नुस्खा है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया अपनी तरह का श्पहला हमलाश इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

अपने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सरकार ने साफ किया कि स्टारलिंक को मई 2025 में ही लाइसेंस मिल चुका है। सिर्फ स्पेक्ट्रम आवंटन अटका है, क्योंकि विदेशी निवेश की मंजूरी और सुरक्षा शर्तों का परीक्षण बाकी है। स्टारलिंक ने जमीनी ढांचा विकसित करने के लिए जियो और भारती एयरटेल से साझेदारी भी की है और जियो के मालिक मुकेश अंबानी ही हैं। तो अंबानी पर कटाक्ष का अर्थ क्या है? सीधा अर्थ है कि मस्क सुरक्षा शर्तों में ढील चाहते हैं और यह भी कि सैटेलाइट फोन के क्षेत्र में कोई भारतीय कंपनी उनके मुकाबले आगे न बढ़े, क्योंकि अंबानी भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं।

ऐसे समय, जब केंद्र सरकार नीट और एसआइआर पर घरेलू राजनीति में घिरी है, मस्क की टिप्पणी मौके का फायदा उठाने की चाल है। ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस सोची–समझी चाल पर बिना सोचे प्रतिक्रिया दे दी– श्भारत में स्वागत है एलन, जब तक दूसरा शख्स न मिले इंतजार करें।श जबकि, स्टारलिंक के जियो और एयरटेल से समझौते पर तब कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।

घरेलू मोर्चे पर सरकार को घेरना एक बात है और अंतरराष्ट्रीय दांव–पेचों में शामिल होना दूसरी। क्या सुरक्षा की चिंता किए बिना किसी सैटेलाइट कंपनी को इसलिए मंजूरी दे देनी चाहिए कि उसके मालिक अंबानी–अदाणी नहीं, मस्क हैं? दूसरी बात यह है कि विदेशी कंपनी के आगे भारतीय कंपनी को तरजीह क्यों नहीं मिलनी चाहिए, भले ही वह अंबानी या अदाणी की ही क्यों न हो, जिनकी मोनोपॉली विपक्ष के लिए घरेलू मुद्दा है? मस्क जैसे लोग नई तकनीकों से मानवता की भलाई के लिए भले ही ढेरों काम कर रहे हों, पर इससे शायद ही कोई इनकार करे कि आर्थिक और राष्ट्रीय हितों के टकराव में उनका व्यवहार पराया ही रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में ऐसे तकनीकी महारथियों से सावधान रहना होगा, न सिर्फ सत्ता पक्ष को बल्कि विपक्ष को भी।

पर्यटन के जरिए ग्रामीण सशक्तिकरण: विष्णु देव साय सरकार की अनूठी पहल

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है।

छत्तीसगढ़ का बस्तर, पर्यटन के नक्शे पर अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे–धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पयर्टन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए श्छत्तीसगढ़ होमस्टे नीतिय तैयार

छत्तीसगढ़ अब अपनी माटी की खुशबू, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और गांवों के नैसर्गिक सौंदर्य के दम पर देश–दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर छाने को तैयार है। राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति (2024–2030) में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए श्छत्तीसगढ़ होमस्टे नीतिय तैयार की है। इसी कड़ी में अब ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारय्ञ की शुरुआत की गई है। इन तीनों निर्णयों से गांवों में रोजगार, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह त्रिआयामी मॉडल पर्यटन को स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करेगा।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर का दशहरा

बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे–भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश–विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं।

बस्तर के सहज जीवन से वैश्विक पहचान तक

बस्तर के बालक श्चेन्दरू मंडावीय की बाघ श्टेंबूय के साथ दोस्ती ने कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के सहज ग्रामीण जीवन का डंका बजाया था।उसी नाम से राज्य सरकार ने श्चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारय्ञ की शुरुआत की है। इसके लिए श्चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम 2025य्ञ लागू किया गया हैजो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होगा। इस पुरस्कार के तहत ग्रामीण पर्यटन, लोककला, हस्तशिल्प और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में लगे जमीनी नायकों या संस्थाओं को 1 लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय ज्यूरी इसका चयन करेगी और विजेता को राज्योत्सव के मंच पर सम्मानित कर उन पर एक सचित्र स्मारिका जारी की जाएगी।

बस्तर के श्टाइगर बॉयश के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्चेन्दरूश राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत की गई है। यह पुरस्कार बस्तर के श्टाइगर बॉयश के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में शुरू किया गया है, जिन्होंने स्वीडिश फिल्म श्जंगल सागाश से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी। गांवों की संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को पर्यटन से जोड़ना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना। श्चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारय्ञ उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं।

होमस्टे से पर्यटक गांव की जीवनशैली जानेंगे

पुरस्कार और प्रोत्साहन के साथ–साथ राज्य सरकार की होमस्टे नीति इस पूरे ढांचे को व्यावहारिक धरातल प्रदान कर रही है। अब पर्यटक महंगे होटलों की बजाय गांवों में पारंपरिक घरों का अनुभव कर सकेंगे। पर्यटक गांव के ही घरों में रुकेंगे। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर और समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है। पर्यटकों को ग्रामीणों के घरों में ठहरने, उनका पारंपरिक भोजन करने, चारपाई का उपयोग करने, खेत–खलिहान घूमने और कुएं का पानी आदि देखने–अनुभव करने का अवसर मिलता है।

होमस्टे के जरिए पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

होमस्टे नीति 2025–30 के माध्यम से ग्रामीण, जनजातीय और पर्यटन क्षेत्रों के परिवारों को अपने घरों को पर्यटन सुविधा में बदलकर अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। वहीं, पर्यटकों को स्थानीय खान–पान, कला, परंपरा, जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को भी नई पहचान मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा नए होमस्टे की स्थापना तथा मौजूदा मकानों के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता के साथ संचालकों को आतिथ्य, स्वच्छता और व्यवसाय संचालन का प्रशिक्षण देने का प्रावधान भी इस नीति में किया गया है। इससे मिलने वाला पैसा सीधे ग्रामीण परिवार, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों की जेब में जाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा फायदा मिलेगा। इस नीति से बस्तर और सरगुजा के अंचलों से लेकर मैदानी गांवों तक, होमस्टे के जरिए पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर समृद्धि के नए द्वार खोले गए

छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत पर्यटन, मनोरंजन और अन्य सामाजिक सेवा सेक्टर को विशेष रूप से शामिल किया गया है। पर्यटन परियोजनाओं को सामान्य उद्योगों की तरह ही न्यूनतम पूंजी निवेश पर विभिन्न प्रकार की रियायतें और सुविधाएं दी जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग की अपार संभावनाएं हैं। सुशासन सरकार इन्हीं संभावनाओं को साकार कर रही है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर समृद्धि के नए द्वार खोले गए हैं। सरगुजा से लेकर बस्तर तक, गांव से लेकर शहरों तक हर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र से नए रोजगारों का सृजन हो रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर होंगे निर्मित

साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं तथा पर्यटक सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है। विष्णु देव साय ने कहा राज्य में लगातार इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

गांव का युवा अपने ही क्षेत्र में पर्यटन उद्यमी बन सकेंगे

राज्य सरकार की नई उद्योग नीति में पर्यटन को सेवा उद्योग का दर्जा देने का कदम भी पर्यटन को गति देगा। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर, इको–टूरिज्म और होमस्टे विकसित करने वाले युवाओं और स्वयं सहायता समूहों को विशेष कैपिटल सब्सिडी, ब्याज अनुदान और सिंगल–विंडो क्लीयरेंस का लाभ मिलेगा। इसके अलवा ग्रामीण युवाओं को आतिथ्य, टूर गाइडिंग और डिजिटल मार्केटिंग की ट्रेनिंग देने का प्रावधान किया गया है, ताकि गांव का युवा अपने ही क्षेत्र में पर्यटन उद्यमी बन सकें।

नवरात्रि के दूसरे दिन सिद्धपीठ मां कालका मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा /बकेवर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इटावा जनपद के लखना में स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां कालका देवी मंदिर में नवरात्रि के दूसरे दिन भी सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। मां के दर्शन और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना लेकर श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े नजर आए। मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। यहां की खास बात यह है कि मंदिर परिसर में मां कालका देवी के साथ सैयद बाबा की मजार भी स्थापित है, जो विभिन्न समुदायों की आस्था और आपसी सौहार्द का प्रतीक मानी जाती है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क नजर आ रहा है। आखिर क्या है इस प्राचीन सिद्धपीठ की विशेषता और कैसे किए गए हैं सुरक्षा के इंतजाम?

शनवरात्रि पर मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालु

इटावा जनपद के लखना कस्बे में स्थापित सिद्धपीठ मां कालका देवी मंदिर में नवरात्रि के दूसरे दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। मां के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं। कोई परिवार की सुख–समृद्धि की कामना लेकर आया है, तो कोई अपनी मनोकामना पूरी होने की उम्मीद के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगा रहा है।

नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और मां कालका देवी के दर्शन कर पूजा–अर्चना कर रहे हैं। मंदिर में घंटियों की गूंज, माता के जयकारों और श्रद्धालुओं की आस्था से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आ रहा है।

स्थानीय स्तर पर प्रसिद्ध यह मंदिर लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि के अवसर पर यहां दूर–दराज के क्षेत्रों से भी भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं।

मां कालका देवी मंदिर की अनूठी धार्मिक पहचान

लखना स्थित सिद्धपीठ मां कालका देवी मंदिर की अपनी अलग धार्मिक पहचान है। मंदिर में मां कालका देवी की पूजा–अर्चना के साथ ही परिसर में सैयद बाबा की मजार भी स्थापित है। यही वजह है कि यह स्थान धार्मिक आस्था के साथ–साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के लिए भी जाना जाता है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मंदिर परिसर में स्थित तालाब का भी विशेष महत्व है। श्रद्धालु तालाब के जल का स्पर्श कर अपनी आस्था प्रकट करते हैं और इसे धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं।

यहां आने वाले श्रद्धालुओं में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की संख्या भी अच्छी–खासी दिखाई देती है। कई परिवार अपने बच्चों के मुंडन संस्कार सहित अन्य ध ार्मिक परंपराओं को पूरा करने के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

मंदिर की यह विशेषता है कि यहां अलग–अलग समुदायों के लोग अपनी आस्था के अनुसार पहुंचते हैं। इस प्रकार मां कालका देवी मंदिर धार्मिक परंपराओं के साथ सामाजिक सद्भाव की भी एक खास तस्वीर प्रस्तुत करता है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था

नवरात्रि के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशानुसार क्षेत्राधिकारी भरथना के नेतृत्व में सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

बकेवर थाना अध्यक्ष विपिन मलिक की देखरेख में मंदिर परिसर और आसपास के प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। करीब आधा सैकड़ा पुलिसकर्मी अलग–अलग स्थानों और बैरियरों पर तैनात होकर सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आ रहे हैं।

पुलिस की तैनाती का उद्देश्य मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, भीड़ को व्यवस्थित रखना और आवागमन को सुचारु बनाए रखना है। नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन की सतर्कता महत्वपूर्ण मानी जा रही है।आस्था, परंपरा और भाईचारे का संगम

नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा की आराधना और शक्ति की उपासना का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर लखना के सिद्धपीठ मां कालका देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की मौजूदगी धार्मिक उत्साह को दर्शा रही है।

मंदिर में पूजा–अर्चना, बच्चों के मुंडन संस्कार और अपनी मनोकामनाओं के साथ पहुंचने वाले भक्तों के बीच आस्था का विशेष माहौल देखने को मिल रहा है। वहीं, मंदिर परिसर में मां कालका देवी के मंदिर के साथ सैयद बाबा की मजार का होना इस स्थान की विशिष्ट पहचान को सामने लाता है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती के बीच भक्त मां के दर्शन कर रहे हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन भी मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां जारी हैं और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ मां के दरबार में पहुंच रहे हैं।

रामलीला में भव्य रूप से निकाली गई शंकर बारात

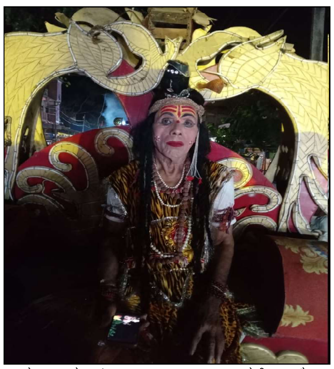

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावाध्महेवा। स्थानीय कस्बा महेवा स्थित श्रीरामजानकी मंदिर परिसर में सौ साल से अधिक पुरानी रामलीला का आयोजन रविवार को भव्य रूप से निकाली गई शंकर बारात के साथ हुआ ।

विदित हो कि मंदिर की स्थापना सन 1912 में चौबे गुरुनारायण राव द्वारा की गई थी तब से निरंतर 15 दिवसीय रामलीला का आयोजन प्रतिवर्ष शरद काल नवरात्रि में होता है तथा तीन दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है उसी क्रम में इस वर्ष भी 11 अक्टूबर से रामलीला शुरू होकर 25 अक्टूबर तक चलेगी तथा चौदस को रावण बध 26 अक्टूबर को राज्याभिषेक के साथ रामलीला का समापन होगा वहीं 26 अक्टूबर से लेकर 29 अक्टूबर तक मेले का आयोजन होगा ।

रविवार नवरात्रि की परवा को निकली भव्य शंकर बारात का शुभारंभ ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश कुमार शुक्ला ,व्यवस्थापक विजय कुमार तिवारी सहित कार्यकारिणी सदस्य जीतू ठाकुर ,पीयूष दुबे ,राघवेंद्र शर्मा मिश्रा ,जोली मिश्रा ,अधीर पाठक ,अनिल आदि ने आरती उतारकर किया वहीं शंकर बारात का भ्रमण पूरे कस्बे में किया गया जहां लोगों ने जगह जगह आरती उतारी ।

मिशन शक्ति फेज–6.0 के तहत इटावा में निकला भव्य पैदल मार्च, नारी सुरक्षा और सशक्तिकरण का दिया संदेश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 12 अक्टूबर 2026 को इटावा पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज–6.0 के अंतर्गत भव्य पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च को सदर विधायक सरिता भदौरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाधि ाकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

पैदल मार्च की शुरुआत शहर के शास्त्री चौराहे से हुई। इसके बाद मार्च नौरंगाबाद चौराहा, नौरंगाबाद चौकी एवं बलराम सिंह चौराहा होते हुए एसएसपी चौराहे तक निकाला गया। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ समाज में उनके लिए सुरक्षित, भयमुक्त एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

महिला सुरक्षा को लेकर लोगों को किया जागरूक

मिशन शक्ति फेज–6.0 के अंतर्गत आयोजित इस पैदल मार्च के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही समाज के लोगों से महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग देने की अपील की गई।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति केंद्र की महिला आरक्षियों, महिला होमगार्डों, व्यापारियों, जनप्रतिनिध‍ियों, विद्यालयों की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं सहित समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग और विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नारी सम्मान और स्वावलंबन पर दिया जोर

पैदल मार्च में शामिल प्रतिभागियों ने एकजुट होकर नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना भी रहा।

मिशन शक्ति अभियान के माध ्यम से महिलाओं को उनके अधि ाकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों और उपलब्ध सहायता व्यवस्था के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। पैदल मार्च के जरिए यह संदेश दिया गया कि महिला सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। पुलिस एवं प्रशासन की इस पहल के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित, भयमुक्त तथा सम्मानजनक वातावरण बनाने के संकल्प को दोहराया गया।

पहाड़ी डकैती कांड : किशनपुर के सर्राफा बाजार में हड़कंप, SOG की छापेमारी से कई सवाल

लोक हस्तक्षेप समाचार

खागा (फतेहपुर)। चित्रकूट के पहाड़ी थाना क्षेत्र में पिछले दिनों एक परिवार को बंधक बनाकर डाली गई सनसनीखेज डकैती की गुत्थी अब फतेहपुर के किशनपुर कस्बे तक पहुंचती दिखाई दे रही है। कर्वी ळ और पहाड़ी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा किशनपुर के एक प्रतिष्ठित सर्राफा व्यापारी के घर पर अचानक की गई छापेमारी के बाद से स्थानीय सर्राफा बाजार में हलचल तेज हो गई है।

लूटे गए माल की खरीद–फरोख्त का इनपुट

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चित्रकूट पुलिस को इस वारदात में लूटे गए सोने–चांदी के जेवरातों की खरीद–फरोख्त के संबंध में पुख्ता इनपुट मिले थे। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने किशनपुर निवासी सर्राफा व्यापारी अंशु अग्रवाल (पुत्र रमेश चंद्र अग्रवाल) के घर पर दबिश दी। पुलिस ने व्यापारी को हिरासत में ले लिया है और उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है।

CCTV का DVR साथ ले गई पुलिस

छापेमारी के दौरान टीम घर में लगे सीसीटीवी (ब्ब्ज्ट) कैमरों का डीवीआर (क्टत्) भी अपने साथ ले गई है, जिसे लेकर कस्बे में तरह–तरह की चर्चाएं आम हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि डीवीआर की जांच से यह साफ हो सकेगा कि पिछले कुछ दिनों में व्यापारी के घर और दुकान पर किन संदिग्ध लोगों का आना–जाना हुआ था।

थाना प्रभारी का बयान

इस संबंध में किशनपुर थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी और डकैती के एक मामले में पूछताछ के लिए चित्रकूट की एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम सर्राफा व्यापारी को लेकर गई है। वहीं, पहाड़ी थाना पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और बरामदगी या संलिप्तता को लेकर स्थिति आधि ाकारिक खुलासे के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट की जाएगी।

अचानक बदली आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा

इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारिक हलकों में सुगबुगाहट तेज है। चर्चा है कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र के कुछ सर्राफा व्यापारियों की आर्थिक स्थिति में अप्रत्याशित रूप से तेजी से बदलाव आया है। लोगों की गिरवी रखी चांदी और सोने के अवैध लेन–देन को लेकर भी कुछ व्यापारी पहले से ही संदेह के घेरे में रहे हैं। अब इस बड़ी छापेमारी के बाद इन चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया है। पुलिस के आधिकारिक खुलासे पर अब सबकी नजरें टिकी हैं।

मदारपुर बहादुर सिंह में रोजगार दिवस पर उमड़ी श्रमिकों की भीड़, 150 को मिला काम

बीडीओ पूजा सिंह और एपीओ अमित कुमार ने किया निरीक्षण, पंचायत भवन में हुए विकास कार्यों को देखकर प्रधान की सराहना की

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सिद्धौर/बाराबंकी। ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को विकासखंड सिद्धौर की ग्राम पंचायत मदारपुर बहादुर सिंह में विशेष रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। मनरेगा के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 150 श्रमिकों को काम मिला। रोजगार मिलने के साथ ही कार्यस्थल पर खुदाई का काम शुरू कराया गया, जिससे गांव में विकास कार्यों को गति मिली।

कार्यक्रम में खंड विकास अधि ाकारी (बीडीओ) पूजा सिंह और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) अमित कुमार मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने रोजगार दिवस के तहत कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया और श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान श्रमिक खुदाई के कार्य में जुटे नजर आए। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही गांव में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना रहा।

पंचायत भवन में कराए गए कार्यों का निरीक्षण

रोजगार दिवस के कार्यक्रम के बाद अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में कराए गए विकास कार्यों का भी जायजा लिया। पंचायत भवन में उपलब्ध सुविधाओं और कराए गए कार्यों को देखकर बीडीओ पूजा सिंह ने ग्राम प्रधान राजकिशोर वर्मा के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने और ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रध ाान राजकिशोर वर्मा, ग्राम पंचायत सचिव उत्तम कुमार, लाखूपुर के प्रधान मायाराम, इनायतपुर के प्रधान सरोज कुमार और पंचायत सहायक टीए राणा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विशेष रोजगार दिवस के तहत करीब 150 श्रमिकों को काम मिलने से ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार का अवसर मिला। वहीं, अधिकारियों के निरीक्षण से पंचायत में चल रहे कार्यों की समीक्षा भी हुई। रोजगार उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा की भूमिका को रेखांकित करती है।

सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट बनने पर गांव में हुआ स्वागत, खुशी का माहौल

वाराणसी,संवाददाता। तारापुर टिकरी के रहने वाले योगेश सिंह सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट बनने के बाद सोमवार को घर पहुंचे तो ढोल नगाड़े बजाकर गांव के लोगों ने स्वागत करते हुए जश्न मनाया। योगेश की मित्र मंडली दीनदयालय स्टेशन चंदौली से स्वागत करके खुली कार में लेकर गांव पहुंचे। सामान्य परिवार के रहने वाले योगेश ने बताया कि सीआरपीएफ मे नियुक्ति 2011 में हुआ था। इसके बाद 2016 में परीक्षा देकर उपनिरीक्षक बने और 2022 मे प्रमोशन से निरीक्षक के बाद जम्मू–कश्मीर, कोबरा कमांडो यूनिट में झारखंड , दिल्ली सांसद भवन सुरक्षा के बाद वीआइपी सिक्युरिटी में कार्यरत रहे। अभी सहायक कमांडेंट की परीक्षा पास करने के बाद घर पहुंचे हैं। यहां से जाने के बाद कार्यभार मिलेगा। स्वागत करने वालों में योगेश के पिता अशोक सिंह, रमाकांत सिंह (मिंटू) पूर्व ब्लाक प्रमुख, विष्णु कांत सिंह, संदीप सिंह, अवनीश सिंह (जय), सीए अभिषेक पांडेय, पुष्कर नारायण, मुकेश यादव, अलोक, अश्वनी, अमित सिंह (बंटी), दीपक सिंह, शशि सिंह, अंकुर सिंह, ओपी सिंह, पिन्टू सिंह, सरवन सिंह, करिया सिंह, पंकज, धीरज, अरविन्द, संदीप प्रिंस, हर्ष राय सहित सैकड़ों लोग रहे।

सार्वजनिक शौचालय जबरदस्ती नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपित दुलारे अंसारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी,संवाददाता। चौक थाना क्षेत्र सार्वजनिक शौचालय में रविवार को 14 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। घरवालों के बाहर होने पर आरोपित ने नाबालिग को जबरदस्ती शौचालय में ले गया और दुष्कर्म किया। घर आकर पीड़िता ने जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद पीड़िता के पिता की शिकायत पर चौक पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित देवली गली निवासी दुलारे अंसारी ने दुष्कर्म की बात स्वीकार की। पीड़ित पिता ने तहरीर में बताया कि नाबालिग बेटी के साथ दोपहर तीन बजे देवली गली निवासी दुलारे अंसारी ने दुष्कर्म किया। चौक इंस्पेक्टर विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा चुका है। आरोपित को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नशा, बाल विवाह के खिलाफ बालिकाओं ने निकाली रैली, मांगा बराबरी का हक

वाराणसी,संवाददाता। आशा ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को बेनीपुर में बालिकाओं ने नशा, भ्रूणहत्या,दहेज व बालविवाह के खिलाफ रैली निकाली। मिर्जामुराद क्षेत्र के बेनीपुर, नागेपुर, करधना, गनेशपुर, कुंडरिया व आसपास के गांव से आयी सैकड़ों किशोरी लड़कियों ने बेनीपुर पंचायत भवन से बेनीपुर बाजार तक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैली निकाली। रैली में शामिल लड़कियां बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नजरे नही झुकना है आगे बढ़ते जाना है, भ्रूणहत्या बंद करो,बाल विवाह बंद करो, तिलक दहेज बन्द करो, शराब बिक्री पर रोक लगाओ आदि नारे लगा रही थी। रैली में शामिल लड़कियों ने प्रधानमंत्री से यू पी में शराब बिक्री पर रोक लगाने,दहेज लोभियों,व गर्भ में लड़कियों को मारने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की माँग किया। रैली में बड़ी संख्या में मुस्लिम लड़कियां भी शामिल हुई। रैली के बाद बेनीपुर पंचायत भवन पर संचालित आशा सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र पर बालिका महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान उमेश पटेल, पंचायत सचिव अंकित प्रताप सिंह और लोक समिति संयोजक नंदलाल मास्टर ने दीप जलाकर किया। लड़कियों ने भ्रूण हत्या, दहेज, बालविवाह, गैरबराबरी, लड़कियों के यौन उत्पीड़न आदि पर नाटक, भाषण व सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में आयोजित विचार गोष्ठी में किशोरी संगठन की संयोजिका सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने लड़कियों को समाज में बराबरी के लिए बहुत प्रोत्साहित कर रहे है लेकिन जब तक समाज जागरूक नही होगा और नशा शराब बिक्री पर नहीं लगेगी तो लड़कियों पर अत्याचार होता रहेगा।

उड़ीसा से आए सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत देहुरी ने कहा कि नशा, दहेज, बाल विवाह व कन्या भ्रूण हत्या समाज में अभिशाप है, इसे जड़ से मिटाना होगा, जिसके लिये महिलाओं को आगे आना होगा। सामाजिक कार्यकर्ता अनीता ने कहा कि सरकार स्वच्छ भारत व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान चलाकर अच्छी पहल किया है, लेकिन सार्वजनिक स्थलों और स्कूलों में सामुदायिक शौचालय कि स्थिति दयनीय है, जिसके कारण लड़कियों को बाहर निकलने और स्कूल जाने में दिक्कत होती है।

कार्यक्रम में स्वागत आशा मौर्या व राजकुमारी ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता अनीता, संचालन आशा ने किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, लखनऊ की तरफ से निम्न कार्य हेतु दिनांक **09.10.2026** को समय **18:03 बजे** IREPS पर दवा आपूर्ति के कार्य हेतु पंजीकरण के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विवरण निम्नवत है।

1.	**नोटिस संख्या (Notice No.)** : 43-Med/Vendor registration/LP/2026 दिनांक 09.10.2026
2.	**निविदा संख्या** : NRDH-LKO-LP-S-26
3.	**निविदा का नाम** : उत्तर रेलवे मंडल चिकित्सालय चारबाग, लखनऊ 226005 में खुदरा खरीद (Retail Purchase) के अंतर्गत सर्जिकल सामग्री (ऑर्थोपेडिक इम्पलान्ट, सर्जिकल इम्पलान्ट एवं उपकरण सहित) तथा कन्ज्यूमेबल सामग्री (CAPD फ्लूइड, IV फ्लूइड, दंत सामग्री, पैथोलॉजी सामग्री, रेडियोलॉजी सामग्री एवं डाइग्नोस्टिक सामग्री सहित) की खुदरा आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठानों/वेन्डर्स (खुदरा / थोक विक्रेता) के पंजीकरण हेतु आमंत्रण।
4.	**दो वर्ष की अवधि के लिए कार्य की अनुमानित राशि** : रु. 71.94 लाख (इकहत्तर लाख चौरानवे हजार रूपये मात्र)।
5.	**पिछले तीन वर्षों (2023-2024, 2024-25 एवं 2025-2026) में फर्म/वेन्डर से अपेक्षित न्यूनतम वार्षिक टर्न ओवर** : रु. 1.08 करोड़ (एक करोड़ आठ लाख रूपये मात्र) के बराबर या उससे अधिक।
6.	**पंजीकरण अवधि** : स्वीकृत पत्र (Letter of Acceptance) जारी करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये।
7.	**ई. ओ. आई./निविदा का प्रकार** : आई.आर.इ.पी.एस. (IREPS) पर खुली निविदा।
8.	**Bidding प्रणाली** : एकल पैकेट (तकनीकी एवं वित्तीय)
11.	**EMD/सिक्योरिटी डिपोजिट/बिड सिक्योरिटी** : रु. 1.44 लाख (एक लाख चौवालीस हजार रूपये मात्र)।
10.	**निविदा की अंतिम तिथि एवं समय** : 30.10.2026, समय 14:00 बजे।
11.	**उत्तर रेलवे बेबसाइट** : **www.ireps.gov.in**
12.	**पंजीकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी** : पंजीकरण व आवेदन पत्र के संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3534/2026

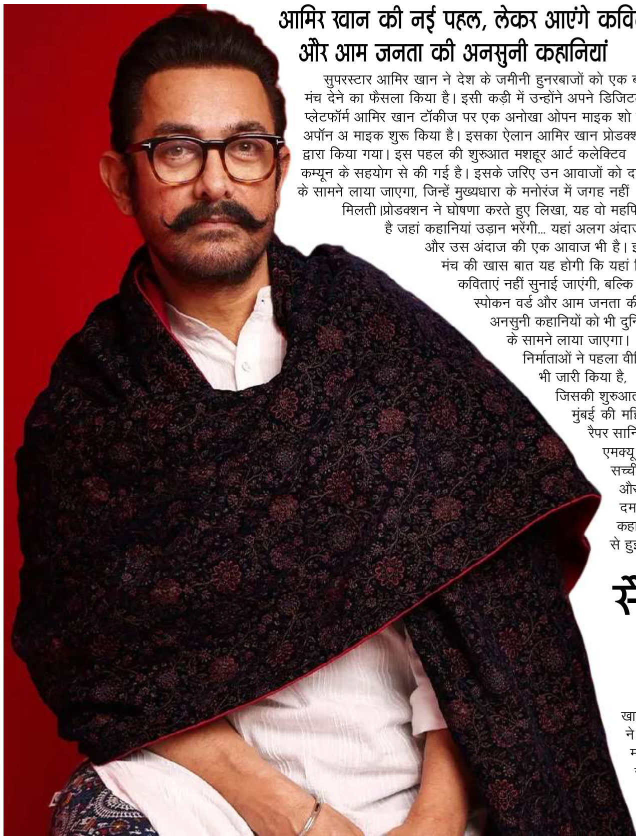

आमिर खान की नई पहल, लेकर आएंगे कविताएं और आम जनता की अनसुनी कहानियां

सुपरस्टार आमिर खान ने देश के जमीनी हुनरबाजों को एक बड़ा मंच देने का फैसला किया है। इसी कड़ी में उन्होंने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म आमिर खान टॉकीज पर एक अनोखा ओपन माइक शो वन्स अपॉन अ माइक शुरू किया है। इसका ऐलान आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा किया गया। इस पहल की शुरुआत मशहूर आर्ट कलेक्टिव कम्यून के सहयोग से की गई है। इसके जरिए उन आवाजों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जिन्हें मुख्यधारा के मनोरंजन में जगह नहीं मिलती।प्रोडक्शन ने घोषणा करते हुए लिखा, यह वो महफिल है जहां कहानियां उड़ान भरेंगी... यहां अलग अंदाज है और उस अंदाज की एक आवाज भी है। इस मंच की खास बात यह होगी कि यहां सिर्फ कविताएं नहीं सुनाई जाएंगी, बल्कि रैप, स्पोकन वर्ड और आम जनता की अनसुनी कहानियों को भी दुनिया के सामने लाया जाएगा। निर्माताओं ने पहला वीडियो भी जारी किया है, जिसकी शुरुआत मुंबई की महिला रैपर सानिया एमक्यू की सच्ची और दमदार कहानी से हुई।

नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग होता है काफी युवा, वैज्ञानिक खोजने में लगे हैं कारण

नार्कोलेप्सी एक दीर्घकालिक और गंभीर तंत्रिका संबंधी नींद से जुड़ी बीमारी है, जो मस्तिष्क के सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने की क्षमता को प्रभावित करती है। नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों को अक्सर रात में नींद टूटने और दिन में बहुत ज्यादा नींद आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि इससे पीड़ित लोगों का दिमाग काफी युवा होता है।

यह बीमारी कम कर सकती है दिमाग की जैविक आयु

इस अध्ययन से सामने आया है कि नार्कोलेप्सी के मरीजों के दिमाग में आम तौर पर समय से पहले बूढ़े होने के लक्षण नहीं दिखते, जो आमतौर पर लंबे समय तक नींद में खलल पड़ने से जुड़े होते हैं। नार्कोलेप्सी के 2 मुख्य प्रकार हैं, जिन्हें टाइप 1 और टाइप 2 के नाम से जाना जाता है। दोनों में ही दिन के समय बहुत ज्यादा नींद आती है, लेकिन टाइप 2 में लक्षण आमतौर पर कम गंभीर होते हैं।

क्या कहता है अध्ययन?

नार्कोलेप्सी टाइप 1 में नींद और जागने की प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी होती है। साथ ही हाइपोक्रेटिन की कमी हो जाती है। हाइपोक्रेटिन एक न्यूरोपेप्टाइड है, जो शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है। इनमें जागने और सतर्क रहने की क्षमता शामिल होती है, जिसका संबंध दिमाग में उम्र के साथ होने वाले बदलावों से भी होता है। इसलिए, इससे समय से पहले दिमाग के बूढ़े होने की संभावना बढ़ने की उम्मीद की जाती है।

वैज्ञानिक नहीं खोज पाए हैं इसकी वजह

हालांकि, शोधकर्ता कहते हैं कि उपलब्ध बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग के नतीजे इस संभावना का समर्थन नहीं करते। इसके बजाय इसका उल्टा असर देखने को मिलता है। कुछ सबूत बताते हैं कि हाइपोक्रेटिन की कमी से यह प्रभाव बदल सकता है कि नींद की गड़बड़ी किसी व्यक्ति के दिमाग पर कैसे असर डालती है। वैज्ञानिक अभी तक यह जान नहीं पाए हैं कि नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग जवान क्यों रहता है। इस संबंध में और अध्ययन की जरूरत होगी।

नार्कोलेप्सी के इलाज के तरीके

नार्कोलेप्सी एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसका कोई पक्का इलाज नहीं है। हालांकि, डॉक्टर की सलाह से दी गई दवाइयां, जीवनशैली की आदतों और व्यवहार से जुड़े तरीकों से इसके लक्षणों को कम किया जा सकता है। अगर आप हर दिन एक ही समय पर सोएं और जागें तो आपको फायदा हो सकता है। साथ ही अच्छा माहौल बनाने और हल्की एक्सरसाइज करने से भी लाभ होता है।

सैफ की बहन सबा पटौदी का खुलासा– सड़क पर गिरी, तब पता चला ब्रेन ट्यूमर है

अभिनेता सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने 27 साल की उम्र में मस्तिष्क के ट्यूमर से जूझने के अपने मुश्किल अनुभव साझा किए हैं। अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट में सबा ने बताया कि उन्हें बीमारी का कोई शुरुआती लक्षण महसूस नहीं हुआ था। एक दिन अचानक वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसके बाद कराई गई चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) जांच में उनके मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ का पता चला। करीब छह महीने बाद हुई शल्य चिकित्सा में चिकित्सकों ने इसे श्पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमाष नामक ट्यूमर के रूप में पहचाना। सबा ने बीमारी के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें पहले से किसी तरह की परेशानी नहीं थी। एक दिन घर से बाहर निकलने पर उन्हें पेट में कुछ गड़बड़ी महसूस हुई। चूंकि उनका पेट पहले से संवेदनशील रहता था, इसलिए उन्हें लगा कि शायद खान–पीने की वजह से ऐसा हुआ है। हालांकि, कुछ ही देर में उनकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा और वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। सबा ने बताया कि पहले भी वह कभी–कभी बेहोशी जैसी स्थिति को रक्तचाप में बदलाव या तेज रोशनी से जोड़कर देखती थीं, लेकिन इस बार अनुभव अलग था। अचानक असहज महसूस होने पर उन्होंने अपनी दोस्त से घर लौटने के लिए कहा। इसी दौरान उन्हें सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा और वह गिर पड़ीं। होश आने पर उन्होंने खुद को इमारत के बाहर सड़क पर पाया। वह स्थिति को समझ पातीं, उससे पहले ही दोबारा बेहोश हो गईं। सबा के मुताबिक, पूरी तरह होश में आने में करीब 20 से 25 मिनट लगे। इसके बावजूद उनके सिर में भारीपन बना हुआ था। घटना के बाद चिकित्सकों ने सबा की एमआरआई जांच कराई। इसमें मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ दिखाई दी। ट्यूमर की स्थिति को देखते हुए शुरुआती जांच में चिकित्सकों ने इसके कोलॉयड सिस्ट होने की आशंका जताई थी। इसके बाद करीब छह महीने तक जांच और उपचार की प्रक्रिया चली। अंततः सबा की मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा की गई। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने गांठ की पहचान पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा के रूप में की। यह एक प्रकार का मस्तिष्क ट्यूमर है, जो आमतौर पर धीमी गति से बढ़ता है। सबा ने बताया कि महज 27 साल की उम्र में बिना किसी स्पष्ट शुरुआती लक्षण के गंभीर बीमारी का पता चलना उनके लिए बड़ा झटका था। मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा की बात सुनकर वह पूरी तरह टूट गई थीं।

फिल्म रामायण से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के पोस्टर जारी, कैकेयी और मंथरा के रूप में दिखा दमदार अंदाज

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महाकाव्य फिल्म दिवाली 2026 पर होगी दुनियाभर में प्रदर्शित, रणबीर कपूर निभा रहे हैं भगवान राम की भूमिका मुंबई। रणबीर कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म श्रामायणष से अभिनेत्री लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के नए पोस्टर जारी किए गए हैं। फिल्म में लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा दासी मंथरा की भूमिका में नजर आएंगी। दोनों किरदारों की पहली झलक सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। इससे पहले निर्माताओं ने अभिनेता अरुण गोविल का पोस्टर जारी किया था। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को दिवाली 2026 के अवसर पर दुनियाभर में प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिल्म के अलग–अलग किरदारों के पोस्टर सामने आने के साथ ही इसे लेकर सामाजिक माध्यमों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जारी किए गए पहले पोस्टर में लारा दत्ता रानी कैकेयी के राजसी अवतार में दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर गंभीरता, दृढ़ता और आक्रोश के भाव नजर आते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, शाही आभूषण और आकर्षक श्रृंगार उनके किरदार की गरिमा और

प्रभाव को दर्शाते हैं। कैकेयी रामायण की कथा का एक महत्वपूर्ण पात्र हैं, जिनकी इच्छाओं और निर्णयों से भगवान राम के वनवास की घटनाएं जुड़ी हैं। दूसरे पोस्टर में शीबा चड्ढा दासी मंथरा के रूप में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे के भाव और व्यक्तित्व का चित्रण रामायण की उस महत्वपूर्ण घटना की याद दिलाता है, जब मंथरा रानी कैकेयी को राजा दशरथ से दो वरदान मांगने के लिए प्रेरित करती हैं। कथा में मंथरा की भूमिका कैकेयी के निर्णय और राम के वनवास की घटनाओं को प्रभावित करने वाली मानी जाती है। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए कैकेयी और मंथरा के किरदारों के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार, एक रानी की इच्छाएं और दूसरी की कुटिल सलाह ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं, जो राम के जीवन की दिशा बदल देती हैं। श्रामायणष में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में साई पल्लवी सीता, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह सहित कई अन्य कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं।

सलमान खान ने लॉन्च किया अपना यूट्यूब चौनल, अब फैंस से सीधे जुड़ेंगे अभिनेता

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अब यूट्यूब की दुनिया में भी कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर अपने आधिकारिक यूट्यूब चौनल की शुरुआत की घोषणा की है। इस खबर से उनके प्रशंसकों में उत्साह है। घोषणा के कुछ ही समय बाद उनके चौनल से 13 हजार से अधिक सदस्य जुड़ गए। सलमान ने अपने चौनल की घोषणा करते हुए लिखा, ष्शुरू से शुरू करते हैं... मेरा आधि ाकारिक यूट्यूब चौनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।ष साझा किए गए वीडियो में अभिनेता अपने खास और मजेदार अंदाज में अंग्रेजी वर्णमाला के ए से जेड तक का उल्लेख करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान ने अपने यूट्यूब चौनल के माध्यम से प्रशंसकों को अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़ी झलकियां दिखाने का वादा किया है। चौनल के परिचय में उन्होंने खुद को फिल्म अभिनेता, कलाकार, चित्रकार और मानवतावादी बताया है। साथ ही इसे अपना आधिकारिक चौनल घोषित किया है। चौनल पर फिलहाल 10 छोटे वीडियो भी मौजूद हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अब उनके पहले आधिकारिक व्लॉग यानी वीडियो ब्लॉग या किसी विस्तृत वीडियो का इंतजार है।

लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए पोषण संबंधी टिप्स

लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए सही पोषण बहुत जरूरी है। चाहे आप ऑफिस में काम करें या घर से, आपके खाने–पीने का आपके स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। सही आहार न केवल आपकी ऊर्जा को बनाए रखता है, बल्कि आपको तनाव से भी दूर रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार पोषण सुझाव देंगे, जो आपके कामकाजी जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

नाश्ता कभी न छोड़ें

नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन होता है। इसे कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि यह आपके दिन की शुरुआत करता है और आपको ऊर्जा देता है। सही नाश्ते में अंडे, ओट्स, फल या दही शामिल हो सकते हैं। ये खाने की चीजें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होती हैं, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

इससे आप पूरे दिन ताजगी महसूस करेंगे और आपकी काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

पानी पीते रहें

पानी आपके शरीर को तरोताजा रखने में मदद करता है और थकान को

दूर करता है। ऑफिस में बैठकर काम करते समय लोग अक्सर पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। हर घंटे एक गिलास पानी पीने की आदत डालें।

इसके अलावा आप नारियल पानी या ताजे जूस का भी सेवन कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी प्यास बुझती है, बल्कि शरीर मैंताजगी भी बनी रहती है।

सेहतमंद स्नैक्स रखें

काम करते समय भूख लगना सामान्य बात है, लेकिन फास्ट फूड खाने से बचें। इसके बजाय अपने पास सेहतमंद स्नैक्स रखें जैसे कि बादाम, अखरोट, मूंगफली या मखाने आदि। ये स्नैक्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। इससे आपको ऊर्जा मिलती है और आप थकान महसूस नहीं करते। सेहतमंद स्नैक्स खाने से आपका मन भी प्रसन्न रहता है और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करते हैं।

दोपहर के खाने का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। इसे जल्दी–जल्दी खाने की बजाय आराम से खाएं और अपने खाने पर ध्यान दें। चबाने की आदत डालें ताकि खाना अच्छे से पच सके। खाने में सलाद, सब्जियां, दाल, चावल या रोटी शामिल करें। इससे आपका पेट भरा रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। इसके अलावा खाने के बाद थोड़ी टहलना भी फायदेमंद होता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है।

कितनी टीमें लेती हैं रणजी ट्रॉफी में हिस्सा और क्या है फॉर्मेट? जानिए कैसे होता है विजेता का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2026–27 सीजन का आगाज रविवार (11 अक्टूबर) से होने जा रहा है। जम्मू–कश्मीर इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आइए आपको बताते हैं रणजी ट्रॉफी में कुल कितनी टीमें लेती हैं हिस्सा और किस फॉर्मेट में खेला जाता है लंबे समय तक चलने वाला भारत या यह सबसे बड़ा घरेलू टूर्नामेंट। दरअसल, रणजी ट्रॉफी में कुल 38 टीमें हिस्सा लेती हैं। 38 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाता है। एलीट ग्रुप में कुल 32 टीमों को शामिल किया जाता है, जबकि प्लेट ग्रुप में छह टीमों को रखा जाता है। प्लेट ग्रुप में उन टीमों को रखा जाता है, जो आमतौर पर नई या फिर प्रदर्शन के मामले में कम अनुभवी होती हैं। रणजी ट्रॉफी 2026–27 सीजन के लिए अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम की टीम को प्लेट ग्रुप में जगह दी गई है। प्लेट ग्रुप में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम को अगले सीजन एलीट ग्रुप में प्रमोट किया जाता है। वहीं, एलीट ग्रुप में रहकर खराब प्रदर्शन करने वाली टीम को प्लेट ग्रुप में भेज दिया जाता है। उएलीट ग्रुप में मौजूद 32 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाता है। यानी एक ग्रुप में 8 टीमें होती हैं। हर टीम बाकी 7 टीमों के खिलाफ खेलती है। हर ग्रुप से टॉप की दो टीमें अपने प्रदर्शन के आधार पर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल करती हैं। क्वार्टर फाइनल में दमदार प्रदर्शन करने के बाद चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाती है। वहीं सेमीफाइनल जीतकर दो टीमें फाइनल में जगह बनाती हैं, जिनके बीच खिताबी मुकाबला खेला जाता है। पिछले सीजन जम्मू–कश्मीर और कर्नाटक ने फाइनल में जगह बनाई थी, जहां जम्मू–कश्मीर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार खिताब का अपने नाम किया था। रणजी ट्रॉफी में एक मैच जीतने पर कुल 6 अंक मिलते हैं। वहीं, अगर कोई टीम एक पारी या फिर 10 विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रहती है, तो उस टीम को 7 अंक मिलते हैं। रणजी ट्रॉफी में मैच ड्रॉ होने पर भी नियम थोड़े अलग हैं। मैच ड्रॉ होने पर अगर एक टीम ने पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल की होती है, तो उस टीम को 3 अंक दिए जाते हैं।

CPI बढ़कर 5.54 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी भारत की खुदरा महंगाई सितंबर 2026 में बढ़कर 5.54प्रतिशत हो गई, जो पिछले 23 महीनों में सबसे ज्यादा है। सितंबर में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स से मापी गई खाने–पीने की चीजों की महंगाई दर 7. 7प्रतिशत रही। खाने–पीने की चीजों की कीमतों का कुल महंगाई दर पर दबाव बना रहा। महंगाई का दबाव ग्रामीण और शहरी, दोनों इलाकों में दिखा। सितंबर में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6. 08प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी इलाकों में यह 4.88प्रतिशत रही। ग्रामीण और शहरी इलाकों में खाने–पीने की चीजों की महंगाई दर क्रमशः 8.06प्रतिशत और 7.18प्रतिशत रही। अगस्त में 2.61प्रतिशत रही हाउसिंग महंगाई दर बढ़कर 2. 74प्रतिशतहो गई।

वनडे ट्राई सीरीज : बांग्लादेश की 16–सदस्यीय टीम घोषित, अलीस अल इस्लाम को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश ने यूएई में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए 16–सदस्यीय टीम का ऐलान किया है, जिसकी कमान लिटन दास संभालेंगे। 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल से पहले, तीनों टीमें राउंड–रॉबिन फॉर्मेट में एक–दूसरे के खिलाफ एक–एक मैच खेलेंगी। लिटन दास को आईसीसी मेंस वर्ल्ड कप 2027 के मद्देनजर इस साल की शुरुआत में वनडे कप्तान नियुक्त किया गया था। त्रिकोणीय सीरीज के लिए तौहीद हिरदॉय को उप–कप्तानी सौंपी गई है। पूर्व वनडे कप्तान मेहदी हसन मिराज भी इस टीम में शामिल हैं, जो अपनी स्पिन गेंदबाजी से विपक्षी टीम को परेशान कर सकते हैं। उनके साथ डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हसन महमूद भी टीम का हिस्सा हैं। एशियन गेम्स 2026 के साथ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले ऑफ–स्पिनर अलीस अल इस्लाम को इस वनडे टीम में शामिल किया गया है, जिनके पास वनडे फॉर्मेट में डेब्यू का शानदार मौका होगा। अलीस ने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स मुकाबले में 4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। इसके बाद उन्होंने बल्ले से 4 रन का योगदान दिया। हालांकि, साइड–स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) से उबर रहे नाहिद राणा टीम का हिस्सा नहीं हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद बांग्लादेश के लिए 5 टी20 मुकाबलों में 8 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस ट्राई सीरीज का पहला मैच बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच खेला जाना है, जिसके बाद 19 अक्टूबर को अफगानिस्तान का सामना जिम्बाब्वे से होगा। 21 अक्टूबर को अफगानिस्तान की भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। ये सभी मुकाबले अबू धाबी में खेले जाने हैं। बांग्लादेश की टीम: लिटन दास (कप्तान), तौहीद हिरदॉय, तंजिद हसन तमीम, सैफ हसन, सौम्य सरकार, नजमुल हुसैन शांतो, मोसाद्देक हुसैन सैकत, मेहदी हसन मिराज, काजी नुरुल हसन सोहान, रिशद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, अलीस अल इस्लाम।

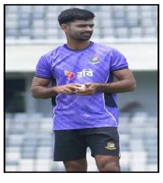

सूर्यवंशी और सैमसन के बीच प्रतिस्पर्धा को रॉबिन सिंह ने बताया टीम इंडिया के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन सिंह का मानना है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन के बीच चल रही चर्चा भारतीय टीम के लिए सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का संकेत है, जो खिलाड़ियों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और अंडर–19 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी ने सीनियर नेशनल टीम में डेब्यू किया। अब भारतीय टी20 टीम के सामने यह चुनौती है कि अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग के लिए सूर्यवंशी या सैमसन में से किसे चुना जाए? पूर्व ऑलराउंडर रॉबिन सिंह ने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन चूंकि दूसरे खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए उसे अपने मौके का इंतजार करना पड़ सकता है। रॉबिन ने आईएएनएस से कहा, बात खिलाड़ियों को खेलने का अच्छा मौका मिलने की है। आप नहीं चाहेंगे कि किसी युवा खिलाड़ी को सिर्फ एक या दो मैच खिलाकर बेंच पर बिठा दिया जाए। मुझे लगता है कि वे दिन अब बीत चुके हैं। उसे यह समझने का मौका देना भी जरूरी है कि इंटरनेशनल क्रिकेट क्या होता है। सूर्यवंशी में बहुत टैलेंट है। इसलिए, अगर उसे बेंच पर बैठकर इंतजार करना भी पड़े, तो कोई बात नहीं, लेकिन दूसरे खिलाड़ियों ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

राजधानी एक्सप्रेस को टक्कर देने आ रही 24 कोच वाली वंदे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे लंबी दूरी की रात का यात्रा को ज्यादा आरामदायक और सुविधाजनक बनाने की तैयारी कर रहा है। 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के बाद अब रेलवे 24 कोच वाले नए वर्जन पर काम कर रहा है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए ज्यादा जगह, बेहतर इंटीरियर और पैंट्री कार जैसी सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे की योजना इस ट्रेन को मौजूदा वंदे भारत स्लीपर के मुकाबले ज्यादा सुविधाजनक बनाने की है। इसमें कई ऐसी सुविधाएं होंगी, जो इसे राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले भी खास बना सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को 24 कोच वाली 50 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

अनुभव के साथ–साथ रोहित–कोहली की फॉर्म भी वर्ल्ड कप 2027 के लिए जरूरी: रॉबिन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन सिंह ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारतीय टीम के लिए बहुत अहम खिलाड़ी साबित होंगे। रोहित और विराट हाल के वनडे मैचों में अच्छी फॉर्म में रहे हैं। रोहित ने अपनी पिछली पांच पारियों में दो शतक और एक बार 92 रन बनाए हैं, जबकि कोहली ने अपनी पिछली पांच इनिंग्स में एक शतक और दो बार 50 से अधिक रन (74 और 65) बनाए हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में भारत के पूर्व ऑलराउंडर रॉबिन सिंह ने कहा कि वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए इन दोनों पूर्व कप्तानों का अनुभव और फॉर्म बहुत जरूरी होगा। रॉबिन ने कहा, मुझे लगता है कि अनुभव एक चीज है। हालांकि, उससे भी ज्यादा जरूरी उनकी फॉर्म है। जाहिर है कि उम्र के साथ अनुभव तो काफी बढ़ ही जाता है। इसी कारण यह कोई समस्या नहीं है। वे जानते हैं कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि फिट रहने के मामले में दोनों खिलाड़ी बेहतरीन काम कर रहे हैं और इस बड़े टूर्नामेंट में टीम के लिए बहुत अहम साबित होंगे। उन्होंने कहा, यह सब इस बारे में है कि आप वर्तमान में कैसे रहते हैं, फिट रहते हैं और अच्छा खेलते रहते हैं। मुझे लगता है कि वे ऐसा बहुत अच्छे से कर रहे हैं। इसलिए कोई शिकायत नहीं है। वे निश्चित रूप से भारतीय टीम के लिए बहुत अहम खिलाड़ी होंगे। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में कई खिलाड़ियों को आजमाया है, क्योंकि वे वर्ल्ड कप के लिए सबसे अच्छे प्लेइंग कॉम्बिनेशन की योजना बना रहे हैं। रॉबिन सिंह ने बताया कि हेड कोच गौतम गंभीर के पास एक फॉर्मूला है और वे अपनी वर्ल्ड कप रणनीति के हिसाब से ही आने वाली वनडे सीरीज के लिए खिलाड़ियों को चुनने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के लिए 136 वनडे और एक टेस्ट मैच खेलने वाले रॉबिन सिंह ने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि वे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमा रहे हैं। उनका अपना एक फॉर्मूला है।

महंगाई डेटा, कच्चा तेल और बॉन्ड यील्ड से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। कच्चे तेल की कीमत, बॉन्ड यील्ड और महंगाई डेटा के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। अगले हफ्ते अमेरिका में महंगाई, घरों की बिक्री और खुदरा बिक्री जैसे अहम आंकड़े आएंगे। वहीं, भारत में भी इस अवधि खुदरा और थोक महंगाई, बेरोजगारी, व्यापार संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों को जारी किया जाएगा। कच्चे तेल की कीमत भी बाजार में अगले हफ्ते बड़ी भूमिका निभाएगी। मौजूदा समय में यह 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है, जानकारों के मुताबिक, अमेरिका की ओर से रूस से डीजल खरीदने के फैसले से वैश्विक स्तर पर तनाव कम होगा और कच्चे तेल में नरमी देखने को मिल सकती है। इसे लेकर ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, मैंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत सफल बातचीत की है। इसमें यह तय हुआ है कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल की आपूर्ति करेगा, नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10,00,000 टन डीजल की आपूर्ति करेगा। इसके अलावा, अगले हफ्ते निवेशकों की नजर यूएस बॉन्ड यील्ड पर भी रहेगी, जो कि लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुनाफे वाला रहा। इस दौरान सेंसेक्स 562. 63 अंक या 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,472.33 और निफ्टी 98.50 अंक या 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,520.45 पर था।

अदाणी सीमेंट ने नवरात्रि के अवसर पर 15,000 सीमेंट बैग से तैयार की मां दुर्गा की 70 फीट ऊंची भव्य आकृति

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि और दुर्गा पूजा 2026 के अवसर पर अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनी और दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता अदाणी सीमेंट ने मध्य प्रदेश स्थित अपने कायमोर प्लांट में मां दुर्गा को समर्पित एक अनूठी कलात्मक प्रस्तुति तैयार की है। कंपनी ने 15,000 सीमेंट बैग की मदद से मां दुर्गा की विशाल आकृति बनाकर आस्था, शक्ति और विश्वास का संदेश देने का प्रयास किया है। जहां विश्वास, वहां शक्ति शीर्षक वाले इस अभियान के तहत तैयार की गई यह कलाकृति 70 फीट – 70 फीट के विशाल क्षेत्र में बनाई गई है, जिसमें अंबुजा सीमेंट और एसीसी के बैगों के माध्यम से कुल 750 टन सीमेंट का प्रतीकात्मक उपयोग किया गया। इस विशाल कलाकृति को तैयार करने में तकरीबन 12,600 मानव–घंटों का सामूहिक श्रम लगा। कंपनी ने इस पूरी प्रक्रिया और अंतिम कलाकृति का हवाई दृश्य एक डिजिटल फिल्म के माध्यम से रिकॉर्ड किया है, जिसे सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जाएगा। इस विशेष स्थापना की खासियत यह रही कि जमीन से देखने पर सीमेंट बैग केवल अलग–अलग इकाइयों के रूप में दिखाई देते थे, लेकिन ऊपर से देखने पर वे मिलकर मां दुर्गा की विशाल आकृति का रूप ले लेते हैं। इसमें देवी का मुकुट, आंखें, दस भुजाएं और उनका व्यापक स्वरूप बेहद बारीकी से उकेरा गया है। अदाणी सीमेंट के अनुसार, यह अभियान कंपनी के दो प्रमुख ब्रांडों की पहचान को एक मंच पर लाता है। यहां शक्ति अंबुजा सीमेंट के मजबूती के वादे का प्रतीक है, जबकि विश्वास एसीसी की 9 दशकों पुरानी विश्वसनीयता और विरासत को दर्शाता है। अभियान का केंद्र बिंदु मां दुर्गा की छवि है, जिन्हें शक्ति, संरक्षण और आस्था का प्रतीक माना जाता है। कंपनी का मानना है कि यह प्रस्तुति परंपरा, सामूहिक प्रयास और भरोसे के मूल्यों को एक साथ जोड़ती है। डिजिटल फिल्म में पूरी रचना की प्रक्रिया को जमीनी स्तर से दिखाया गया है, जिसमें कर्मचारियों को सीमेंट बैग व्यवस्थित करते हुए दिखाया गया है और फिर धीरे–धीरे कैमरा ऊपर उठने पर मां दुर्गा की पूरी आकृति सामने आती है।

ताज–मैरियट नहीं, ये है दुनिया का सबसे ज्यादा कमरों वाला होटल

गिनते–गिनते जाएंगे थक, बनाने में खर्च हुए रु24500 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में होटल तो लाखों हैं, लेकिन कुछ होटल अपनी ऊंचाई, कुछ अपनी लग्जरी और कुछ अपनी अनोखी कहानी के लिए पहचाने जाते हैं। मगर मलेशिया के पहाड़ों पर बना द फर्स्ट होटल अपनी एक खास वजह से दुनिया भर में मशहूर है। यह कमरों की संख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा होटल है। मलेशिया के पहाड़ी पर्यटन स्थल जेंटिंग हाइलैंड्स में मौजूद इस होटल में कुल 7,351 ऑपरेशनल कमरे हैं। ळनपददमेंॅवतसक त्मबवतके ने 20 जून 2015 को इसे दुनिया का सबसे बड़ा होटल माना था। असल में मलेशिया के कारोबारी तान श्री लिम गोह टोंग के सपने से शुरू होती है। 1965 में उन्होंने एक ऐसे माउंटेन रिसॉर्ट को विकसित करने की योजना बनाई, जहां लोग शहर की गर्मी और भीड़ से दूर जाकर छुट्टियां बिता सकें। उस समय आज जितना डेवलप और टूरिस्ट स्पॉट नहीं था। यहां पहुंचना भी आसान नहीं था। ळमदजपदह ळतवनच ने पहाड़ तक सड़क बनाने का काम शुरू किया और 1969 में ळमदजपदह ैमउची से पहाड़ की चोटी तक करीब 25.5 किलोमीटर लंबी सड़क तैयार हुई। जेंटिंग क्षेत्र में होटल कारोबार तेजी से बढ़ाने की योजना के तहत फर्स्ट वर्ल्ड होटल का निर्माण शुरू हुआ। वर्ष 2000 में इसके पहले चरण का निर्माण आगे बढ़ा और करीब 1,000 कमरे दिसंबर 2000 में उपलब्ध हो गए।

यूएई फिर से भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर बना, अमेरिका को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया था, लेकिन अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फिर से वापसी करते हुए भारत के प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता का स्थान हासिल कर लिया है। यूएई ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर भारत को एलपीजी की आपूर्ति में अग्रणी भूमिका हासिल कर ली है। समुद्री खुफिया फर्म केप्लर द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में भारत के एलपीजी आयात में यूएई की हिस्सेदारी 39 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 13 प्रतिशत थी, और इसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया, जो पिछले छह महीनों से रसोई गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। यूएई ने 5,47,000 टन एलपीजी की आपूर्ति की, जो अगस्त में 1,93,000 टन से 182 प्रतिशत अधिक है, जबकि अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, क्योंकि उसका शिपमेंट अगस्त में 3,23,000 टन से 58 प्रतिशत गिर गया। जहां अगस्त में भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी, वहीं सितंबर में यह गिरकर 23 प्रतिशत रह गई। केप्लर ने कहा, भौतिक बाजार ने अनुमान से अधिक लचीलापन दिखाया है। खाड़ी से बाहर निकलने वाली संयुक्त कच्चे तेल की मात्रा (ईरान को छोड़कर) और पश्चिमी तट सऊदी और पूर्वी तट यूएई से आने वाली मात्रा लगभग संघर्ष–पूर्व स्तर 18.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन के आसपास है, लेकिन जब आप सऊदी पश्चिमी तट और यूएई पूर्वी तट से भेजी गई डायवर्ट की गई मात्रा को शामिल करते हैं तो यह अब लगभग 100 प्रतिशत है। भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें से 90 प्रतिशत पहले खाड़ी देशों से होर्मुज के रास्ते आता था। सितंबर में कुवैत और कतर से भारत का एलपीजी आयात भी बढ़ा। कुवैत तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, उसके बाद कतर का स्थान रहा। अगस्त की तुलना में सितंबर में भारत का कुल एलपीजी आयात 4 प्रतिशत घटकर 13.9 लाख टन रह गया।

रु10 लाख का ट्रैक्टर सिर्फ रु5 लाख में

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के समय में हर क्षेत्र में तकनीकों और मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। एग्रीकल्चर भी बिना मशीनों के आसान नहीं है। सरकार की ओर से एग्री मशीनरी को आसानी से और सस्ते दामों में किसानों तक उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से कई स्कीमें चलाई जाती हैं। खेती में मशीनों का इस्तेमाल बढ़ाने और किसानों की लागत कम करने के लिए उत्तर प्रदेश में कृषि यंत्रों पर सब्सिडी पाने का मौका है। अक्टूबर 2026 से शुरू हुई ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया के तहत किसान ट्रैक्टर, पावर टिलर, रोटावेटर, सीड ड्रिल और एग्री प्रोटेक्शन इक्युपमेंट्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं। पात्र किसानों को योजना के नियमों के अनुसार 40 से 50 फीसदी तक सब्सिडी मिल सकती है।

सेबी ने नए सेटलमेंट नियम किए जारी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सेटलमेंट के कैलकुलेशन के लिए नए संशोधित नियम जारी किए हैं। साथ ही, 10 लाख रुपए तक के मामलों के लिए फास्ट–ट्रैक रूट शुरू किया है। रेगुलेटर ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि सेटलमेंट और फास्ट–ट्रैक रूट के लिए बदले गए फॉर्मूले का मकसद इस सिस्टम को आसान और ज्यादा अनुमान लगाने लायक बनाना है। सेटलमेंट रेगुलेशन्स, 2026 के तहत, सेटलमेंट की शर्तों में सेटलमेंट की रकम, जहां लागू हो वहां गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी और सुधारात्मक व रेगुलेटरी शर्तें (जिन्हें पहले नॉन–मॉनेटरी शर्तें कहा जाता था) शामिल होंगी इसमें गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी के लिए अलग से प्रावधान किया गया है, ताकि सेटलमेंट की गणना करते समय ऐसी रकम की दोहरी गिनती न हो। नया फॉर्मूला सेटलमेंट की रकम को एक बेस अमाउंट से जोड़ता है, जो सिक्योरिटीज कानूनों के तहत उल्लंघन के लिए तय कम से कम पेनल्टी से जुड़ा होता है। बेस अमाउंट तय करने में कानूनी खर्च के अलावा, कार्यवाही का चरण, रेगुलेटरी एक्शन, उल्लंघन की गंभीरता, और मामले को गंभीर या कम गंभीर बनाने वाले कारकों को ध्यान में रखा जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ती दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई. रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः दीप्ती दुबे
कार्यकारी संपादकः अजय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट, के अन्तर्गत उत्तरदायी

चेन्नई में होने वाले ऐतिहासिक बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में शडिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटोश वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के

लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, ष्खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इससे फैंस को खेल के कुछ बड़े नामों के साथ एक अनोखा अनुभव मिलेगा। बल्ले से आतिशबाजी, मैदान पर रोमांच और वर्ल्ड–क्लास एंटरटेनमेंट के साथ, यह दिन बीबीएल मैच का अनुभव लेने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए यादगार होगा। इस साल मई में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेन्नई में होने वाले आखिरी घरेलू मैच के लिए आया था। इस मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास भी उनके साथ शामिल हुए थे। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने चेन्नई में बीबीएल सीजन 16 का ओपनिंग मैच आयोजित करने के लिए बीसीसीआई से संपर्क किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। पर्थ स्कॉर्चर्स मौजूद बीबीएल चौंपियन हैं, जिन्होंने प्रतियोगिता के इतिहास में रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता है।

रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले को मिस्र ने अंतरराष्ट्री कानून का खुला उल्लंघन बताया

काहिरा, एजेंसी। मिस्र ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद एयरपोर्ट पर किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। शनिवार को देश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसे ष्अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन करार दिया। सऊदी अरब पर ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए थे। हालांकि अपने बयान में मिस्र ने किसी गुट का नाम नहीं लिया है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर बयान साझा किया। इसमें लिखा, ष्मिस्र, मित्र राष्ट्र सऊदी अरब के खिलाफ किए गए उन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है जिनमें रियाद के किंग खालिद एयरपोर्ट और सऊदी अरब एयरलाइंस के एक विमान को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी मानव तस्करी रिपोर्ट पर भड़का उत्तर कोरिया

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की मानव तस्करी संबंधी रिपोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित गंभीर उकसावे' की कार्रवाई करार दिया है। प्योंगयांग का आरोप है कि वाशिंगटन मानवाधिकारों के मुद्दे के जरिए उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी शत्रुतापूर्ण नीति को आगे बढ़ाने के लिए कर रहा है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शनिवार को जारी बयान में अमेरिकी विदेश विभाग की 2026 की मानव तस्करी रिपोर्ट को झूठ, मनगढ़ंत तथ्यों, पूर्वाग्रह और शत्रुता से भरा दस्तावेज बताया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने इस बयान को प्रकाशित किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में उत्तर कोरिया को मानव तस्करी रोकने के प्रयासों के मामले में सबसे निचली श्रेणी 'टियर–3' में रखा है। इस श्रेणी में चीन, रूस, ईरान और क्यूबा भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया उसने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा, इस तरह के दस्तावेजों का इस्तेमाल दूसरे देशों की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को बदलने के औचित्य

लगातार 24वें वर्ष इस श्रेणी में रखा गया है। उत्तर कोरियाई प्रवक्ता ने आरोप लगाया, अमेरिका मानवाधिकारों को राजनीतिक हथियार बनाकर देश की संप्रभुता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहता है। के रूप में किया जाता है। प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया के संप्रभु अधिकारों और नागरिकों के हितों के लिए खतरा पैदा करने वाली अमेरिकी मानवाधिकार नीति के खिलाफ कड़ी जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल में फिर अचानक आई बाढ़: कई पुल और घर बहे, 40 लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक आई बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ के पानी में अलग–अलग बस्तियों के कम से कम 40 घर बह गए। कई पुल भी नष्ट हो गए हैं। वहीं, कालीगंडकी नदी से जुड़ी एक अन्य घटना में 40 लोगों के लापता होने की खबर है। गोरखा जिले में बूढ़ी गंडकी नदी में आई बाढ़ के बाद चार लोगों के लापता होने की भी सूचना है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोरखा जिले की चुम्नुबरी ग्रामीण नगरपालिका में भूस्खलन के कारण बूढ़ी गंडकी नदी का प्रवाह बाधित हो गया था। इसके बाद नदी में पानी जमा होता रहा। अचानक अवरोध टूटने से पानी तेज गति से आगे बढ़ा और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ आ गई।

रूस से डीजल समझौते पर ट्रंप की नीति पर सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रूस से डीजल खरीदने के समझौते के बाद अमेरिका में दोहरे मानदंड (डबल स्टैंडर्ड) के आरोप तेज हो गए हैं। कई अमेरिकी पत्रकारों, नेताओं और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया है कि जब भारत और चीन जैसे देशों को रूसी तेल खरीदने पर निशाना बनाया गया, तो अब अमेरिका खुद रूस से ईंधन क्यों खरीद रहा है। विवाद उस समय बढ़ गया जब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अमेरिका और वैश्विक बाजारों को लाखों टन डीजल की आपूर्ति करेंगे। इसके साथ ही, अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने रूसी डीजल से जुड़े कुछ लेनदेन पर लगी पाबंदियों में अस्थायी राहत भी दे दी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब एक महीने से भी कम समय पहले ट्रंप ने एक द्विदलीय कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया था। इस फैसले के बाद अमेरिकी पत्रकार कैथरीन रैम्पेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तंज कसते हुए लिखा, क्या अब हम खुद पर भी टैरिफ लगाने वाले हैं? राजनीतिक पत्रकार सैम स्टीन ने भी इस फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ ही सप्ताह पहले ट्रंप ने रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से एक प्रतिबंध कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जबकि अब वहीं प्रशासन रूस से ईंधन लेने का समझौता कर रहा है। सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने अमेरिकी नीति की आलोचना की। वेरिफाइड एक्स अकाउंट न्यूज मैट्रिक्स ने ट्रंप के भारत पर पहले किए गए हमलों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया, ष्अगर भारत की ओर से रूसी तेल खरीदना पुतिन के युद्ध को फंड करना है, तो क्या यही तर्क अमेरिका पर भी लागू नहीं होता? या फिर रूस को फंडिंग सिर्फ तब मानी जाती है जब भारत तेल खरीदे? रेडिट पर भी यूजर्स ने इस फैसले को लेकर नाराजगी जताई। एक यूजर ने लिखा, दूसरों के लिए एक नियम और अपने लिए दूसरा। वहीं दूसरे ने सवाल किया कि क्या अब अमेरिका खुद पर भी 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा? इस बीच अमेरिकी सांसदों ने भी फैसले की आलोचना की। डेमोक्रेटिक सीनेटर जीन शाहीन, चक शूमर और एलिजाबेथ वॉरेन ने संयुक्त बयान जारी कर प्रशासन द्वारा रूस को छह महीने तक डीजल बेचने की अनुमति देने की निंदा की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति को ईरान के साथ अपने टकराव को खत्म करना चाहिए, न कि रूस के युद्ध तंत्र को आर्थिक मदद पहुंचानी चाहिए। सांसदों का तर्क है कि यह कदम यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर दबाव बनाने की अमेरिकी कोशिशों को कमजोर कर सकता है और मॉस्को की कमाई बढ़ा सकता है।

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

www.lokhastakshep.com

लोक हस्तक्षेप